।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2023–2024

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बिजेय भवन पैलेस कॉम्पलेक्स, पंडित दीनदयाल सर्किल के पास, बीकानेर

website : www.rajuvas.org

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
2023-2024

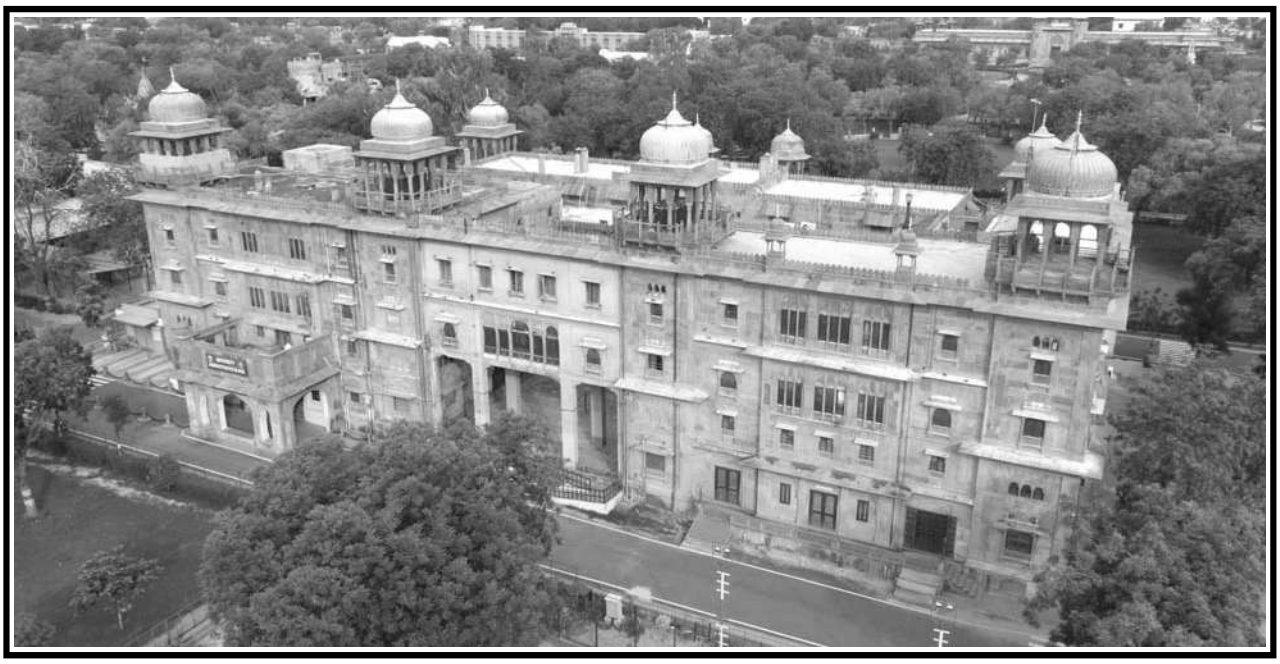

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बिजेय भवन पैलेस कॉम्पलेक्स, पंडित दीनदयाल सर्किल के पास
बीकानेर-334 001 (राज.)
website : www.rajuvas.org

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

सम्पादक मण्डल

संरक्षक

प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार गर्ग

कुलपति

मुख्य सम्पादक

प्रो. बसंत बैस

निदेशक, पी. एम. ई.

सलाहकार मंडल

प्रो. हेमन्त दाधीच
प्रति कुलपति
निदेशक, अनुसंधान
निदेशक, कार्य

श्रीमती बिन्दु खत्री
कुलसचिव

श्री बी.एल. सर्वा
वित्त नियंत्रक

प्रो. ए.पी. सिंह
संकाय अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, सी.वी.ए.एस., बीकानेर

प्रो. शीला चौधरी
अधिष्ठाता, पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर

प्रो. आर.के. नागदा
अधिष्ठाता, सी.वी.ए.एस., नवानियाँ, वल्लभनगर

प्रो. आर.के. धूड़िया
निदेशक, प्रसार शिक्षा
अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर शिक्षा

प्रो. बंसत बैस
निदेशक, पी.एम.ई

प्रो. बी.एन. श्रृंगी
निदेशक, मानव संसाधन विकास

प्रो. उर्मिला पनू
परीक्षा नियंत्रक

प्रो. प्रवीण बिश्नोई
निदेशक, क्लिनिक्स
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

डॉ. अशोक डांगी
प्रभारी, आई.यू.एम.एस

प्रकाशक

प्राथमिकता, नियंत्रण एवं मूल्यांकन निदेशालय (पी.एम.ई.)

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बीकानेर, राजस्थान–334 001

ईमेलः dpmerajuvas@gmail.com

मुद्रक : डायमंड प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनरी, बीकानेर # 9784105819

प्रस्तावना

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की स्थापना 13 मई 2010 को हुई। अपनी स्थापना के प्रथम दशक से ही विश्वविद्यालय ने शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में कई नए आयाम स्थापित करके न केवल राज्य में ही अपितु देश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के तीन संघटक महाविद्यालय बीकानेर, नवानियाँ (उदयपुर) एवं पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर में स्थित है। विश्वविद्यालय के तीनो संघटक महाविद्यालय भारतीय पशु चकित्सा परिषद की प्रथम अनुसूचि में शामिल हैं। इन तीनों महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक (बी.वी.एस.सी एण्ड ए.एच.) पाठ्यक्रम हेतु आठ निजी पशुचिकित्सा महाविद्यालय को संबद्धता दी गई है। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशुविज्ञान विश्वविद्यालय में चार राजकीय, सात संघटक एवं 89 निजी पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों के माध्यम से दो वर्षीय पशुपालन डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है, इन संस्थानों में प्रतिवर्ष लगभग 6300 पैरावेट के प्रशिक्षण की क्षमता है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के दो नये संघटक महाविद्यालय जोधपुर और नांवा (नागौर) का निर्माण कार्य प्रगति पर है। 2022–23 की बजट घोषणा के तहत राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अर्न्तगत भरतपुर, कोटपूतली एवं मलसीसर (मण्डावा) झुंझूनू इन नवीन पशु महाविद्यालयों के लिए जमीन आवंटन व भवन निर्माण की कार्यवाही की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2023–24 की बजट घोषणा में सिरोही, बस्सी (जयपुर), लालसोट (दौसा) एवं सीकर में एक–एक नये पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय एवं जोजावर (पाली) में नवीन पशु विज्ञान केन्द्र के क्रियान्वित हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों हेतु विभिन्न विषयों पर साक्षात्कार कर 12 सहायक आचार्यों को चयनित कर नियुक्तियां प्रदान की गई। इसी तरह वेटरनरी विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों एवं इकाइयों हेतु विभिन्न पदों पर साक्षात्कार कर कुल 48 सहायक आचार्य एवं समकक्ष पदों पर चयनित कर नियुक्तियां प्रदान की गई।

इस वर्श वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा तीन आपसी करार (एम.ओ.यू.) किये गये, जिसमें विश्वविद्यालय ने केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान (अविकानगर), होम्योपैथी विश्वविद्यालय (जयपुर) और टांटिया विश्वविद्यालय (श्रीगंगानगर) से दस्तावेज एक दूसरे को हस्तान्तरित किये।

विश्वविद्यालय का षष्ठम् दीक्षांत समारोह 21 मार्च 2023 को आयोजन किया गया। माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने समारोह में ऑनलाइन शिरकत की एवं विश्वविद्यालय के 461 छात्र–छात्राओं को उपाधियों और 18 को स्वर्ण पदक तथा 01 को कुलाधिपति स्वर्ण, 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक से अलंकृत किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक योग्यता प्राप्त कर लेने वाले 331 छात्र–छात्राओं को उपाधियां, स्नातकोत्तर स्तर के 96 को उपाधियां तथा 34 को विद्यावाचस्पति उपाधियां प्रदान की गई। 18 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदकों से और स्नातकोत्तर शिक्षा में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर केशव गौड़ को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया। शैक्षणिक सत्र 2021–22 में विश्वविद्यालय के विभिन्न संघटक तथा सम्बद्ध शिक्षण संस्थानों द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 13974 छात्र पंजीकृत थे, जिसमें से 3081 बी.वी.एस.सी एण्ड ए.एच, 120 एम.वी.एस.सी, 57 पी.एच.डी. डिग्री पाठ्यक्रमों में तथा 10716 डिप्लोमा पाठ्यक्रम में पंजीकृत थे। दीक्षांत अतिथि डॉ. एम.एल मदन को डॉक्टर ऑफ साईंस की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

विश्वविद्यालय में नौ पशुधन अनुसंधान केंद्र राज्य के बीकानेर, बीछवाल (बीकानेर), कोडमदेसर (बीकानेर), चांदन (जैसलमेर), नोहर (हनुमानगढ), नवानियां, (उदयपुर), बोजुंदा (चित्तौड़गढ़), डग (झालावाड़) एवं सरमथुरा (धौलपुर) में स्थापित हैं। इनमें स्वदेशी गौवंश की छः नस्लों राठी, साहीवाल, कांकरेज, थारपारकर, मालवी, गिर, एवं भेड़, बकरी और भैंसों की नस्लों के उन्नयन हेतु शोध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गैर पारंपरिक क्षेत्रों में अनुसंधान हेतु राज्य पोषित 10 उन्नत अनुसंधान केंद्र भी स्थापित हैं। राष्ट्रीय कृषि विकास की 3 परियोजनाऐं एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित 5 परियोजनाए चल रही है। विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्श उच्च गुणवत्ता वाले 179 देशी गौवंश एवं सिरोही बकरियों में अनुवांशिक सुधार हेतु उच्च गुणवत्ता वाले 95 सिरोही बकरे पशुपालकों को वितरित किए गए।

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध की जानकारी पहुंचाने हेतु राज्य के 17 जिलों में पशु विज्ञान केन्द स्थापित हैं। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर के नवनिर्मित किसान भवन एवं कुक्कुट पालन इकाई का लोकार्पण माननीय सांसद राहुल कस्वां एवं माननीय विधायक नोहर श्री अमित चाचाण द्वारा किया गया। माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री लालचन्द जी कटारिया द्वारा 3 मई 2023 को वेटरनरी विश्वविद्यालय के पशु विज्ञान केन्द्र, रामसीन (जालौर) के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण (ऑनलाइन) किया गया।

विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) कृषि विभाग, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में कुल 48 प्रशिक्षणों का आयोजन कर 1578 पशुपालकों को लाभांवित किया गया तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर द्वारा इस वर्ष 861 ऑफलाइन/ऑनलाइन, संस्थागत व असंस्थागत प्रशिक्षणों का आयोजन कर 22621 पशुपालकों एवं किसानों को लाभांवित किया गया। विश्वविद्यालय के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय, राश्ट्रीय एवं विश्वविद्यालय स्तरीय प्रदर्शनी एवं मेलों में अपनी सह–भागिता दी। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव (13–15 जनवरी, 2023), कृषि महोत्सव, कोटा (24–25 जनवरी, 2023), राजस्थान किसान महोत्सव कार्यक्रम, बाड़मेर के श्री मल्लिनाथ कृषि एवं पशुपालन मेला (21–22 मार्च 2023) शामिल है।

विश्वविद्यालय के द्वारा राज्य के पशुपालकों और किसानों को समर्पित "राजुवास ई–पशुपालक चौपाल" प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ बुधवार, ''धीणें री बात्यां'' रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण राज्य के सभी 17 आकाशवाणी केन्द्रों से प्रत्येक माह के तृतीय गुरूवार, पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा पशुपालकों के लिए व्हाट्सएप समूह एवं वेटरनरी विश्वविद्यालय की टोल–फ्री हैल्पलाइन जैसी सेवाएं चलाई जा रही है।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय शिक्षण, शोध व प्रसार के क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्य कर प्रदेश के विकास में सहयोग को कटिबद्ध है, राज्य सरकार के सम्पूर्ण सहयोग एवं योगदान के लिये बहुत–बहुत धन्यवाद सहित।

प्रो. सतीश कुमार गर्ग
कुलपति

अनुक्रमणिका

1.	**संगठनात्मक ढांचा**	**01—04**
2.	**स्वीकृत—कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण**	**05—09**
2.1	शैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति	05
2.2	अशैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति	05
2.3	निजी सचिव एवं मंत्रालयिक पदों की श्रेणीवार स्थिति	06
2.4	अन्य शिक्षक एवं तकनीकी कर्मचारी पदों की श्रेणीवार स्थिति	06
2.5	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पदों की श्रेणीवार स्थिति	07
3.	**विभागीय प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक प्रमुख कार्य के विरूद्ध आलौच्य वर्ष में प्रगति एवं उसकी विगत 3 वर्ष से तुलना**	**09—25**
3.1	**अकादमिक कार्यक्रम**	**10—16**
3.1.1	स्नातक पाठ्यक्रम (बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच.)	11
3.1.2	स्नातक पाठ्यक्रम (बी.टेक)	11
3.1.3	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.वी.एस.सी.)	12
3.1.4	विद्या—वाचस्पति / डाक्टरेट पाठ्यक्रम (पीएच.डी.)	13
3.1.5	पशुपालन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (ए.एच.डी.पी.)	14
3.2	**अनुसंधान परियोजनाएं**	**17—19**
3.3	**प्रसार शिक्षा कार्यक्रम**	**20—25**
4.	**आलौच्य वर्ष में विशेष पहल एवं उपलब्धि**	**26—29**
5.	**सार संक्षेप**	**30—32**

1. संगठनात्मक ढांचा

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम 2010 की धारा 1 उपखण्ड (3) के अन्तर्गत स्थापित हुआ। इस विश्वविद्यालय की स्थापना दिनांक 13 मई, 2010 को हुई। राजस्थान राज्य के माननीय राज्यपाल पदेन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। कुलपति विश्वविद्यालय का प्रधान शैक्षणिक और कार्यपालक अधिकारी है।

अपनी स्थापना की अल्पावधि में ही विश्वविद्यालय ने प्रबंधन मण्डल, अकादमिक परिषद्, अधिकारी परिषद् अनुसंधान परिषद् और प्रसार परिषद् आदि संवैधानिक निकायों का गठन किया। इन निकायों के गठन के साथ ही विश्वविद्यालय ने केन्द्रीय सलाहकार समिति, जनसम्पर्क प्रकोष्ठ और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ का गठन किया। साथ ही विश्वविद्यालय ने अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा, परीक्षा नियंत्रक, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, निदेशक क्लिनिक, निदेशक प्रसार शिक्षा, निदेशक कार्य, निदेशक पी.एम.ई., निदेशक मानव संसाधन विकास आदि महत्वपूर्ण विभागों की स्थापना की और कुछ अन्य समितियां बनाई गई जिससे विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुरूप समस्त कार्यों का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जा सके। पशुपालन का राज्य की अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों में पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान और संबंधित विषयों के बारे में उचित और व्यवस्थित निर्देशन, शिक्षण–प्रशिक्षण, अनुसंधान और प्रसार प्रशिक्षण करवाया जाता है। विश्वविद्यालय में अध्यापन, शिक्षण अनुसंधान और प्रसार के प्रयासों को सुगठित कराने में राजस्थान सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और विश्वविद्यालय को वृद्धि उन्मुख और प्रगतिशील बनाने में हर प्रकार से सहयोगी रही है।

विश्वविद्यालय अपने तीन प्रमुख अंग–शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के निष्पादन के लिए समस्त सुविधाओं से सुसज्जित है। वर्तमान में वेटरनरी विश्वविद्यालय के तीन संघटक महाविद्यालय बीकानेर, उदयपुर (नवानियाँ) और जयपुर एवं दो डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय बीकानेर और बस्सी, जयपुर में स्थित हैं। राज्य सरकार ने जोधपुर, नांवा (नागौर), मलसीसर (झुंझुनूं), कोटपूतली (जयपुर) और भरतपुर में वेटरनरी विश्वविद्यालय के नए संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना की क्रियान्विति हेतु पद एवं बजट प्रावधान की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जोधपुर का पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय निर्माणाधीन है। माननीय मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023–24 की बजट घोषणा में सिरोही, बस्सी (जयपुर), लालसोट (दौसा) एवं सीकर में एक–एक नये पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय खोले जाने की घोषणा की है।

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

राजस्थान में पशुचिकित्सा शिक्षा का प्रभावी और शानदार इतिहास रहा है। आजादी के बाद राज्य का पहला पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर में वर्ष 1954 में स्थापित किया गया। मुख्य कॉलेज भवन में प्रशासनिक कार्यालय और 18 स्वतंत्र विभाग हैं जिनमें सुसज्जित प्रयोगशालाएं तथा स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम शिक्षण और अनुसंधान के लिए आधुनिक सुविधाएं हैं। परिसर में पशुओं की विभिन्न इकाईयां, रोग नैदानिक सुविधाएं, पुस्तकालय, कैंटीन, व्यायामशाला, खेलकूद सुविधाएं और बैंक की शाखा भी है। छात्र तथा छात्राओं हेतु अपेक्षित छात्रावास सुविधा उपलब्ध है।

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर

उदयपुर के नवानियां (वल्लभनगर) में राज्य के दूसरे वेटरनरी कॉलेज की स्थापना वर्ष 2007 में की गई। दक्षिणी राजस्थान में पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में कुशल विशेषज्ञता विकसित करना तथा जनजाति क्षेत्र के पशुपालकों की आवश्यकतानुसार अनुसंधान, प्रचार एवं प्रसार गतिविधियों को विकसित करना इस महाविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है। इस महाविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम के साथ पशुचिकित्सा के विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर, पीएच.डी.एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चल रहे हैं।

स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर

राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग–21, आगरा रोड़, जामडोली, जयपुर में स्थित इस संस्थान की स्थापना वर्ष 2012 में हुई। वर्ष 2015–16 से इस संस्थान में स्नातक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ कर दिये गये हैं। वर्तमान में यह संस्थान पशुचिकित्सा और पशु

विज्ञान के विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर एवं स्नातक डिग्री के साथ–साथ पशुपालन से सम्बन्धित डिप्लोमा पाठय्क्रम भी चला रहा है।

डेयरी एंव प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर

वेटरनरी विश्वविद्यालय अंतर्गत बीकानेर परिसर में डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय का शैक्षणिक सत्र 2021–22 से प्रारंभ हो गये हैं। विद्यार्थियों को जैट परीक्षा के माध्यम से महाविद्यालय में प्रवेश दिये जाते हैं। डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर में बी.टेक., डेयरी टेक्नोलॉजी में 40 सीटे स्वीकृत हैं।

डेयरी एंव खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी (जयपुर)

वेटरनरी विश्वविद्यालय अंतर्गत डेयरी एंव खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी (जयपुर) का शैक्षणिक सत्र 2021–22 से प्रारंभ हो गये हैं। विद्यार्थियों को जैट परीक्षा के माध्यम से महाविद्यालय में प्रवेश दिये जाते हैं। डेयरी एंव खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी (जयपुर) में बी.टेक., डेयरी टेक्नोलॉजी एवं बी.टेक., फूड़ टेक्नोलॉजी में 40–40 सीटें प्रवेश हेतु स्वीकृत हैं।

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, जोधपुर

वेटरनरी विश्वविद्यालय के चौथे संघटक वेटरनरी महाविद्यालय, जोधपुर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि का आवंटन एवं पदों की स्वीकृति पूर्व में ही जारी की जा चुकी है। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने राज्य स्तरीय ऑनलाइन समारोह में वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय जोधपुर के भवन की आधारशिला दिनांक 10 जून 2021 को रखी। भवन निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नांवा (नागौर)

राज्य सरकार ने नांवा (नागौर) में वेटरनरी विश्वविद्यालय के पांचवे नए संघटक पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना हेतु पद एवं प्रावधान की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। राज्य सरकार ने वर्ष 2021–22 के बजट घोषणा में नवीन पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नांवा (नागौर) हेतु 29 शैक्षणिक एवं 12 अशैक्षणिक पदों हेतु वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है इसके साथ ही नवीन महाविद्यालय के भवन निर्माण, उपकरण, कैमिकल एवं ग्लासवेयर तथा कार्यलय व्यय हेतु वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। भूमि का अधिग्रहण प्राप्त कर लिया गया हैं एवं चार दिवारी बन चुकी है। भवन निर्माण का आदेश निर्गत हो चुका है।

नव स्वीकृत संघटक वेटरनरी महाविद्यालय

राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2022–23 की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अर्न्तगत भरतपुर, कोटपूतली एवं मलसीसर (मण्डावा) झुंझूनूं में नये पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय खोले जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य सरकार ने नवीन पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय मलसीसर (झुंझुनूं), कोटपूतली (जयपुर) और भरतपुर हेतु तीनो महाविद्यालयों के लिए 29–29 शैक्षणिक एवं 12–12 अशैक्षणिक पद का सर्जन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है इसके साथ ही नवीन महाविद्यालय के भवन निर्माण, उपकरण, कैमिकल एवं ग्लासवेयर तथा कार्यालय व्यय हेतु वित्तीय स्वीकृती देने की सहमती प्रदान की। भूमि आवंटित हो चुकी है। शीघ्र ही निर्माण हेतु निविदा आमन्त्रित की जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2023–24 की बजट घोषणा में सिरोही, बस्सी (जयपुर), लालसोट (दौसा) एवं सीकर में एक–एक नये पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय खोले जाने की घोषणा की गयी है।

पशुपालन डिप्लोमा संस्थान

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशुविज्ञान विश्वविद्यालय में चार राजकीय, सात संघटक, एवं 89 निजी पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों के माध्यम से दो वर्षीय पशुपालन डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है, इन संस्थानों में प्रतिवर्ष लगभग 6300 पैरावेट के प्रशिक्षण की क्षमता है। ये संस्थान बीकानेर, अलवर, भरतपुर, चुरू, दौसा, डूँगरपुर, हनुमानगढ़, जयपुर, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, कोटा, बूंदी, श्रीगंगानगर, सीकर, टोंक, झालावाड़, जालौर, जैसलमेर, चितौड़गढ़, धौलपुर, बाड़मेर, बारां और उदयपुर आदि जिलों में स्थित हैं। पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के अलावा पशुपालन डिप्लोमा संस्थान

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ (उदयपुर), स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, जयपुर, पशुधन अनुसंधान केन्द्र, चांदन, (जैसलमेर), पशुधन अनुसंधान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़), पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा (चतौडगढ़), पशुधन अनुसंधान केन्द्र, डग (झालावाड़), में भी स्थित हैं।

अनुसंधान केन्द्र

विश्वविद्यालय के अन्तर्गत नौ पशुधन अनुसंधान केन्द्र हैं, जिनमें पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर, बीछवाल (बीकानेर), कोडमदेसर (बीकानेर), चांदन (जैसलमेर), नोहर (हनुमानगढ़), नवानियाँ, वल्लभनगर (उदयपुर), बोजुन्दा (चित्तौड़गढ), डग (झालावाड़) एवं सरमथुरा (धौलपुर) में स्थापित है। इन अनुसंधान केन्द्रो के माध्यम से राज्य की छः देशी गौवंश नस्लें राठी, थारपारकर, गिर, साहीवाल, मालवी और कांकरेज के विकास एवं संवर्द्धन का कार्य किया जा रहा है। पशुधन अनुसंधान केन्द्रों के माध्यम से हैरिटेज जीन बैंक की अवधारणा के तहत पशुपालकों व गौशालाओं को स्वदेशी गौवंश प्रजनन के लिए उन्नत किस्म के बछड़े और सांड उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। राजुवास द्वारा अब तक 2500 से भी अधिक श्रेष्ठतम नस्ल के बछड़े व सांड उपलब्ध करवाए गए हैं। इससे गौशालाओं और पशुपालकों के यहां स्वदेशी गौवंश की संख्या में बढ़ोतरी के साथ हैरिटेज जीन बैंक की अवधारणा को मूर्त रूप मिल रहा है। इन अनुसंधान केन्द्रों पर देशी गौवंश के अलावा भैंस, भेड़, बकरी के संवर्द्धन व उन्नयन तथा पशुधन चारा उत्पादन के कार्य किए जा रहे हैं, धौलपुर में स्थित अंगई बकरी फार्म में सिरोही बकरी पर नस्ल सुधार एवं संवर्धन पर कार्य किया जा रहा है।

पशु विज्ञान केन्द्र

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध की जानकारी पहुंचाने हेतु उनकी समस्याओं के समाधान हेतु राज्य के 17 जिलों में पशु विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये पशु विज्ञान केन्द्र बाकलिया (नागौर), सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर), रतनगढ़ (चूरू), कुम्हेर (भरतपुर), कोटा, सिरोही, डूंगरपुर, अविकानगर (टोंक), धौलपुर, बौजूंदा (चितौड़गढ़), लूणकरणसर (बीकानेर), जोधपुर, झुंझुनूं, जोबनेर (जयपुर), जालौर एवं जोजावर (पाली) में स्थित है। आगामी वर्षों में प्रदेश के प्रत्येक जिले में इस तरह के केन्द्र स्थापित किये जाने का लक्ष्य है। पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्रों के द्वारा पशुकल्याण सेवाओं के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों के लिए पशुपालक प्रशिक्षण शिविर, पशुचिकित्सा शिविर, पशुपालक गोष्ठी, वैज्ञानिक पशुपालक संवाद, फील्ड दिवस, जागरूकता शिविर और उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन का आयोजन कर पशुपालकों को लाभांवित गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित विश्वविद्यालय का एक मात्र कृषि विज्ञान केन्द्र हनुमानगढ़ जिले के नोहर कस्बे में स्थापित है। केन्द्र द्वारा ऑन फार्म ट्रायल, प्रथम पंक्ति प्रदर्शन, संस्थानिक और गैर संस्थानिक प्रशिक्षणों सहित प्रसार शिक्षा के तहत क्षेत्रीय दिवस, किसान मेला, किसान गोष्ठी, प्रदर्शनी, परिणामों का प्रदर्शन, वैज्ञानिकों, कृषकों का भ्रमण, पशुचिकित्सा शिविर, फार्म साईंस क्लब, स्वयं सहायता समूहों के संयोजकों का सम्मेलन जैसे कार्य किये गये। यह कृषि विज्ञान केन्द्र नव तकनीक और प्रौद्योगिकी को पशुपालकों तक हस्तांतरण के महती कार्य में जुटा हुआ है।

विश्वविद्यालय एक नजर में

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

प्रशासनिक कार्यालय

1. कुलपति सचिवालय
2. कुलसचिव कार्यालय
3. वित्त नियंत्रक कार्यालय
4. अनुसंधान निदेशालय
5. प्रसार शिक्षा निदेशालय
6. अधिष्ठाता छात्र कल्याण
7. अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा
8. निदेशालय मानव संसाधन विकास
9. निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी और मूल्यांकन निदेशालय
10. निदेशक क्लिनिक
11. निदेशक कार्य (भू-सम्पदा)
12. परीक्षा नियंत्रक
13. केन्द्रीय पुस्तकालय
14. जनसम्पर्क प्रकोष्ठ
15. आई.यू.एम.एस.प्रकोष्ठ
16. पूल ऑफिस
17. प्लेसमेंट सैल
18. आई.पी.आर. सैल

महाविद्यालय एवं संस्थान

संघटक वेटरनरी महाविद्यालय

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानियाँ (उदयपुर)
3. स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर

नव स्वीकृत संघटक वेटरनरी महाविद्यालय

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय जोधपुर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नावां, नागौर
3. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय मलसीसर, झुंझुनूं
4. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय भरतपुर
5. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय कोटपुतली, जयपुर
6. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय सिरोही
7. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बस्सी, जयपुर
8. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय लालसोट, दौसा
9. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय सीकर

डेयरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय

1. डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर
2. डेयरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जयपुर

महाविद्यालय एवं संस्थान

सम्बद्ध वेटरनरी महाविद्यालय

1. अपोलो कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन जयपुर
2. एम.जे.एफ. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, चौमूं, जयपुर
3. अरावली पशुचिकित्सा महाविद्यालय सीकर
4. एम.बी. वेटरनरी महाविद्यालय, डूंगरपुर
5. आर. आर. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, देवली, टोंक
6. महात्मा गांधी पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, भरतपुर
7. सौरभ कॉलेज ऑफ वेटरनरी साईन्स, हिण्डौन, करौली
8. शेखावाटी वेटरनरी महाविद्यालय, सीकर

पशुपालन डिप्लोमा संस्थान

1. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, बीकानेर
2. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, नवानियाँ (उदयपुर)
3. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, जयपुर
4. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, चान्दन (जैसलमेर)
5. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, नोहर (हनुमानगढ़)
6. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, बोजुन्दा (चित्तौड़गढ़)
7. पशुपालन डिप्लोमा संस्थान,डग,(झालावाड़)

पशुधन अनुसंधान केन्द्र

1. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर
2. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीछवाल (बीकानेर)
3. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, कोळायदेसर (बीकानेर)
4. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़)
5. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, चांदन (जैसलमेर)
6. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, वल्लभनगर (उदयपुर)
7. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा (चित्तौड़गढ़)
8. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, डग (झालावाड़)
9. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, सरमथुरा (धौलपुर)

प्रसार शिक्षा केन्द्र

पशु विज्ञान केन्द्र

1. पशु विज्ञान केन्द्र, नागौर
2. पशु विज्ञान केन्द्र, जोधपुर
3. पशु विज्ञान केन्द्र, टोंक
4. पशु विज्ञान केन्द्र, भरतपुर
5. पशु विज्ञान केन्द्र, चूरू
6. पशु विज्ञान केन्द्र, कोटा
7. पशु विज्ञान केन्द्र, सिरोही
8. पशु विज्ञान केन्द्र, डूंगरगढ़
9. पशु विज्ञान केन्द्र, झुंझुनू
10. पशु विज्ञान केन्द्र, धौलपुर
11. पशु विज्ञान केन्द्र, श्रीगंगानगर
12. पशु विज्ञान केन्द्र, बीकानेर
13. पशु विज्ञान केन्द्र, चितौड़गढ़
14. पशु विज्ञान केन्द्र, जालौर
15. पशु विज्ञान केन्द्र, झालावाड़
16. पशु विज्ञान केन्द्र, जोबनेर (जयपुर)
17. पशु विज्ञान केन्द्र, जोजावर (पाली) (नव स्वीकृत)

कृषि विज्ञान केन्द्र

1. नोहर (हनुमानगढ़)

अनुप्रयुक्त अनुसंधान केन्द्र

1. पारम्परिक पशुचिकित्सा पद्धति एवं वैकल्पिक औषधि विज्ञान केन्द्र, बीकानेर
2. वन्य जीव प्रबंधन एवं स्वास्थ्य अध्ययन केन्द्र, बीकानेर
3. पशुधन चारा संसाधन, प्रबंधन एवं तकनीक केन्द्र, बीकानेर
4. पशु आपदा प्रबंधन तकनीक केन्द्र, बीकानेर
5. पशु विज्ञान के लिये अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी केन्द्र, बीकानेर
6. पशु जैव चिकित्सा अपशिष्ट निस्तारण प्रौद्योगिकी केन्द्र, बीकानेर
7. पशु जैव विविधता सरंक्षण केन्द्र, बीकानेर
8. टीकाकरण एवं जैविक उत्पाद अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर
9. जैविक पशु उत्पाद तकनीक केन्द्र, बीकानेर
10. पशु विज्ञान में अंतरिक्ष आधारित तकनीक केन्द्र, बीकानेर
11. सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स : दुग्ध गुणवत्ता एवं सुरक्षा, जयपुर
12. जूनोटिक रोग निदान एवं निगरानी केन्द्र, जयपुर
13. एपेक्स सेन्टर, बीकानेर

2. स्वीकृत-कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण

2.1 शैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति

पद का नाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
आचार्य	94	–	94
आचार्य (सीएएस)	–	20	–
सह–आचार्य	146 (*आई.सी.ए.आर. 03)	–	146
सह–आचार्य (सीएएस)	–	05	–
सहायक आचार्य	409 (*आई.सी.ए.आर. 01)	145	239
योग	**649**	**170**	**479**

*आई.सी.ए.आर. (4 पद)

2.2 अशैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति

	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
(i) अधिकारी			
कुलपति	01	01	00
अधिष्ठाता	14	00	14
अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर शिक्षा	01	00	01
निदेशक	02	00	02
कुलसचिव	01	01	00
वित्तनियंत्रक	01	01	00
परीक्षानियंत्रक	01	00	01
अतिरिक्त निदेशक	03	00	03
निदेशक कार्य	01	01	00
पुस्तकालयाध्यक्ष	01	00	01
योग	**26**	**04**	**22**
(ii) कनिष्ठ अधिकारी			
उपकुलसचिव	01	00	01
सहायक कुलसचिव	06	00	06
उप वित्तनियंत्रक	01	01	00
सहायक निदेशक	02	01	01
सहायक अभियंता	05	00	05
उप–पुस्तकालयाध्यक्ष	01	00	01
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	13	01	12
लेखाधिकारी	02	02	00
विधि अधिकारी	01	01	00
कार्यक्रम समन्वयक	01(** के.वी.के. 01)	01	00
विषय विशेषज्ञ	06(** के.वी.के. 06)	03	03
योग	**39**	**10**	**29**

**के.वी.के. (07 पद)

2.3 निजी सचिव एवं मंत्रालयिक पदों की श्रेणीवार स्थिति

क्र.सं.	पद कानाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
1	निजी सचिव	01	01	00
2	सीनियर निजी सहायक	05	03	02
3	निजी सहायक	17	01	16
4	शीघ्र लिपिक	06 (** के.वी.के. 01)	00	06
5	अनुभाग अधिकारी	08	01	07
6	सहायक लेखाधिकारी	03	03	00
7	लेखाकार	09	03	06
8.	सहायक लेखाकार	10	01	09
9.	सहायक अनुभाग अधिकारी	06	04	02
10.	वरिष्ठ लिपिक	28	11	17
11.	कनिष्ठ लिपिक	104 (* आई.सी.ए.आर 02) (***जॉब बेसिस 01)	11	93
12.	स्टोरमुंशी	02	00	02
13.	कम्प्यूटर ऑपरेटर	04	01	03
14.	विधि सहायक	01	00	01
15.	प्रोग्रामर	02	00	02
16.	प्रोग्राम सहायक	02 (** के.वी.के. 02)	00	02
	योग	**208**	**40**	**168**

*आई.सी.ए.आर (2 पद), ** के.वी.के.(3 पद), ***जॉब बेसिस (1 पद)

2.4 अन्य शिक्षक एवं तकनीकी कर्मचारी पदों की श्रेणीवार स्थिति

क्र.सं.	पद कानाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
तकनीकी कर्मचारी				
1	तकनीकी सहायक	78 (* आई.सी.ए.आर 01)	10	68
2	फार्म मैनेजर	02 (** के.वी.के. 01)	00	02
3	फार्म सहायक	02	00	02
4	प्रोफेशनल असिस्टैंट (लाईब्रेरियन)	01	00	01
5	सहायक कृषि अधिकारी	04	01	03
6	डेयरी प्लांट ऑपरेटर	01	00	01
7	सीनियर मैकेनिक	01	00	01
8	प्रयोगशाला सहायक	71	02	69
9	जे.टी.ए.	02	00	02
10	आर्टिस्ट	01	00	01
11	स्टॉकमैन/एल.एस.ए.	15 (* आई.सी.ए.आर 03)	00	15
12	राईडिंग इंस्ट्रैक्टर	01	01	00
13	कृषि पर्यवेक्षक	03	00	03

क्र.सं.	पद कानाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
14	लाईब्रेरी सहायक	03	01	02
15	पोल्ट्री सहायक	01	00	01
16	डेयरी सहायक/मिल्क रिकॉर्डर	05	00	05
17	जूनि. कम्पाउंडर	02	00	02
18	बॉयलर ऑपरेटर	01	00	01
19	मैर्टन	01	00	01
20	ड्राईवर	44 (** के.वी.के. 02) (***जॉब बेसिस 06)	08	36
21	पम्प ऑपरेटर	04	02	02
22	मिस्त्री	04	00	04
23	कारपेन्टर	02	00	02
24	वायरमेन	01	00	01
25	पलम्बर	01	00	01
26	ब्लैक स्मिथ	01	00	01
27	जूनियर मैकेनिक/फार्म मैकेनिक	06	04	02
28	क्यूरेटर	01	00	01
	योग	**259**	**29**	**230**

*आई.सी.ए.आर. (4 पद), ** के.वी.के.(3 पद), ***जॉब बेसिस (6 पद)

2.5 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पदों की श्रेणीवार स्थिति

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
1	हैडमाली	01	00	01
2	बुक लिफ्टर	03	00	03
3	प्रयोगशाला अटैंडेन्ट	66 (*** जॉब बेसिस 05)	14	52
4	फार्म वर्कर	78 (*** जॉब बेसिस 60)	06	72
5	हाली	03	02	01
6	बुल अटैंडेंट	06	01	05
7	कैटल अटैंडेंट	46	12	34
8	सहायक	34 (** के.वी.के. 01) (*** जॉब बेसिस 05)	02	32
9	लाईब्रेरी बॉय	04	02	02
10	तांगा ड्राईवर	01	00	01
11	गार्डनर	08	05	03
12	शीप अटैंडेंट	03	03	00
13	फराश	01	01	00
14	वॉचमैन	07	02	05

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
15	बस क्लीनर	04	01	03
16	स्वीपर	15 (*** जॉब बेसिस 04)	01	14
17	पोल्ट्री अटैंडेंट	07	01	06
18	बुचर	01	01	00
19	मैड	01	00	01
20	हॉस्टल अटैंडेंट	03	03	00
21	शैफर्ड	02	00	02
22	चपरासी	145 (*** के.वी.के. 02) (*** जॉब बेसिस 05)	106	39
23	बेलदार	05	01	04
24	साईकिल सवार	01	00	01
25	एनिमल अटैंडेंट	26 (*** जॉब बेसिस 16)	07	19
26	पोस्टमार्टम अटैंडेंट	(*** जॉब बेसिस 01)	00	01
27	मल्टी टास्क सर्विसेज	(*** जॉब बेसिस 04)	00	04
28	फार्म अटेण्डेन्ट	(*** जॉब बेसिस 01)	00	01
29	वेटरनरी सर्विस	(*** जॉब बेसिस 03)	00	03
30	मशीन विद मैन	(*** जॉब बेसिस 03)	00	03
31	एम.टी.एस.	(*** जॉब बेसिस 01)	00	01
	योग	**484**	**171**	**313**

** के.वी.के.(3 पद), ***जॉब बेसिस (108 पद)

शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों का योग

	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
(i) शैक्षणिक	649	170	479
(ii) अधिकारी	26	04	22
(iii) कनिष्ठ अधिकारी	39	10	29
(iv) निजी सचिव एवं मंत्रालयिक कर्मचारी (विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों)	208	40	168
(v) अन्य शिक्षक एवं तकनीकी कर्मचारी (विभाग, प्रयोगशाला, फार्म एवं विभिन्न अनुसंधान केन्द्र)	259	29	230
(vi) चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	484	171	313
योग(i)+(ii)+(iii)+(iv)+(v)+(vi)	**1665**	**424**	**1241**

*आई.सी.ए.आर. (10 पद), ** के.वी.के. (16 पद), ***जॉब बेसिस (115 पद)

3. विभागीय प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक प्रमुख कार्य के विरूद्ध आलौच्य वर्ष में प्रगति एवं उसकी विगत 3 वर्ष से तुलना

3.1 अकादमिक कार्यक्रम

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की भूमिका शासनादेश के अनुसार यह परिकल्पित है कि विश्वविद्यालय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को विभिन्न स्तरों पर डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एच.डी पर डिग्री देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर विधार्थियों को अनेकों शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर रहा है ताकि उनमें ज्ञान एवं नेतृत्व विकसित हो सके और वे कुशल पेशेवर पशुचिकित्सक बन सकें तथा विश्वव्यापी आर्थिक चुनौतियों का मुकाबला कर सकें। विश्वविद्यालय में शिक्षण का कार्य संकाय अध्यक्ष, पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान, अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय तथा विभागाध्यक्षों के निर्देशन में करवाया जाता है। विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य मुख्यतः व्याख्यान एवं इलेक्ट्रानिक शिक्षण साधनों का उपयोग, प्रयोगशालाओं में प्रयोगात्मक अध्ययन, चिकित्सालयों और पशुधन फार्मो पर कराया जाता है। स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का आंतरिक एवं बाह्य परिक्षाओं द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों द्वारा विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिये स्नातक, स्नातकोत्तर तथा विद्या वाचस्पति स्तर पर विद्यार्थियों को अनुसंधान परियोजना निर्माण, विश्वविद्यालय व राष्ट्रीय स्तर पर सह पाठ्यक्रम कौशल प्रदान करने, शैक्षणिक भ्रमण और इंर्टनशिप प्रशिक्षण के लिये सुविधाऐं प्रदान की गई।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संघटक महाविद्यालय व डिप्लोमा संस्थान निम्न प्रकार से हैं।

संघटक महाविद्यालय

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर
3. स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर
4. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, जोधपुर (स्वीकृत)
5. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नांवा, नागौर (स्वीकृत)
6. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, मलसीसर, झुंझुनूं (स्वीकृत)
7. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, कोटपूतली, जयपुर (स्वीकृत)
8. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, भरतपुर (स्वीकृत)
9. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, सिरोही (स्वीकृत)
10. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बस्सी, जयपुर (स्वीकृत)
11. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, लालसोट, दौसा (स्वीकृत)
12. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, सीकर (स्वीकृत)
13. डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर
14. डेयरी एवं खाध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी, जयपुर

संघटक डिप्लोमा संस्थान

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर

3. स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर
4. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, चांदन, जैसलमेर
5. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, नोहर, हनुमानगढ़
6. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा, चितौड़गढ़
7. पशुधन अनुसंधान केन्द्र, डग, झालावाड़

विश्वविद्यालय द्वारा निजी महाविद्यालयों / संस्थानों को संबद्धता

विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम हेतु सात निजी पशुचिकित्सा महाविद्यालय (अपोलो कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन, जयपुर, एम.जे.एफ. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, चौमूं जयपुर, अरावली पशुचिकित्सा महाविद्यालय, सीकर, एम. बी. वेटरनरी महाविद्यालय, डूंगरपुर, आर.आर. वेटरनरी एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, देवली, टोंक, महात्मा गांधी वेटरनरी कॉलेज, भरतपुर तथा सौरभ कॉलेज ऑफ वेटरनरी साईन्स, हिण्डौन, करौली) को संबद्धता दी गई है। इसी प्रकार दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु प्रदेश में 89 निजी संस्थानों को विश्वविद्यालय द्वारा संबद्धता प्रदान गई।

वर्तमान में राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान के संकाय में निम्नलिखित पाठ्यक्रम कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

उपाधि	पाठ्यक्रम	अवधि
स्नातक पूर्व	**पशुपालन में डिप्लोमा** (भारतीय पशुचिकित्सा परिषद अधिनियम, 1984 के अनुसार न्यूनतम पशुचिकित्सा सेवा प्रदाताओ के लिए बुनियादी योग्यता)	2 वर्ष
स्नातक	**बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच.**	5 वर्ष 6 माह
	बी.टेक डेयरी टेक्नोलोजी, फूड टेक्नोलोजी	8 सेमेस्टर
स्नातकोत्तर	**एम.वी.एससी.** पशु शरीर रचना एवं औतिकी, पशु शरीर क्रिया विज्ञान, पशु जैव रसायन विज्ञान, पशु पोषण, पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन, पशु व्याधिकी, पशु सुक्ष्म जैविकी, पशु परजीवी विज्ञान, पशु जनस्वास्थ्य, पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र, पशु जानपदिक रोग विज्ञान एवं निवारक चिकित्सा, पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण, पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन प्रसार शिक्षा, पशु जैव प्रौद्योगिकी, पशुचिकित्सा भेषज एवं विष विज्ञान, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विज्ञान	2 वर्ष
	एम.एस.सी पशु जैव प्रौद्योगिकी	2 वर्ष
विद्या वाचस्पति	**पीएच.डी.** पशु शरीर रचना एवं औतिकी, पशु शरीर क्रिया विज्ञान, पशु पोषण, पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन, पशु व्याधिकी, पशु सुक्ष्म जैविकी, पशु परजीवी विज्ञान, पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र, पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण, पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान, पशु जैव प्रौद्योगिकी, पशुचिकित्सा एवं पशु पालन प्रसार शिक्षा, पशु जनस्वास्थय विज्ञान, पशुचिकित्सा भेषज एवं विष विज्ञान, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	3 वर्ष

3.1.1 स्नातक पाठ्यक्रम (बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच.)

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नातक (बी.वी.एस.सी एण्ड ए.एच.) पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के सभी संघटक पशुचिकित्सा महाविद्यालयों (सी.वी.ए.एस., बीकानेर, सी.वी.ए.एस., नवानियां, वल्लभनगर, उदयपुर तथा पी.जी.आई.वी.ई.आर. जयपुर) एवं आठ संबद्ध निजी पशुचिकित्सा महाविद्यालयों (अपोलो कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन, जयपुर, एम.जे.एफ. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, चौमूं जयपुर, अरावली पशुचिकित्सा महाविद्यालय, सीकर, एम. बी. वेटरनरी महाविद्यालय, डूंगरपुर, आर.आर. वेटरनरी एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, देवली, टोंक, महात्मा गांधी वेटरनरी कॉलेज, भरतपुर, सौरभ कॉलेज ऑफ वेटरनरी साईन्स, हिण्डौन, करौली तथा शेखावटी वेटरनरी महाविद्यालय, सीकर) में चलाये जा रहे हैं। भारतीय पशुचिकित्सा परिषद के नये मानदण्डो के अनुसार यह पाठ्यक्रम साढ़े पाँच वर्ष की अवधि (साढ़े चार वर्ष का पाठ्यक्रम और 1 वर्ष का इंर्टनशिप प्रशिक्षण) का है। वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में यू.जी. पाठ्यक्रम में राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद 100–100 सीटें हैं। वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक एवं सम्बद्ध वेटरनरी कॉलेजों में उपलब्ध सीटों पर बी. वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. डिग्री पाठ्यक्रम (सत्र 2023–24) में प्रवेश आवंटन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए.) के द्वारा आयोजित नीट परीक्षा की वरीयता सूची के अनुसार किया गया है।

क्र. सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच.						कुल छात्र
		I	II (New)	II (old)	III	IV	प्रशिक्षण	
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	94	85	79	60	69	71	**458**
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	83	94	67	57	77	69	**447**
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	101	75	70	60	64	69	**439**
कुल छात्र		**278**	**254**	**216**	**177**	**210**	**209**	**1344**

3.1.2 स्नातक पाठ्यक्रम (बी.टेक)

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नातक (बी.टेक) पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के दो संघटक डेयरी एंव खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों (डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर एवं डेयरी एंव खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी, जयपुर) में चलाये जा रहे हैं। डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर में बी.टेक इन डेयरी टेक्नोलॉजी में 40 सीटे एवं डेयरी एंव खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी (जयपुर) में बी.टेक. इन डेयरी टेक्नोलॉजी एवं बी.टेक. इन फूड़ टेक्नोलॉजी में 40–40 सीटें प्रवेश हेतु स्वीकृत हैं। विद्यार्थियों को जैट परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिये जाते हैं। यह पाठ्यक्रम तीन वर्ष की अवधि (आठ सेमेस्टर का पाठ्यक्रम) का है।

क्र. सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	बी.टेक								कुल छात्र
		I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	
1.	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर	1	35	–	6	–	–	–	–	**42**
2.	डेयरी विज्ञान एवं खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी, जयपुर									
	(अ) डेयरी विज्ञान	2	12	–	2	–	–	–	–	**16**
	(ब) खाद्य विज्ञान	1	5	–	4	–	–	–	–	**10**
कुल छात्र		**4**	**52**		**12**		–	–	–	68

3.1.3 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.वी.एससी.)

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम.वी.एससी.) विश्वविद्यालय के निम्नलिखित तीन संघटक महाविद्यालयों में चलाये जा रहे है।

1. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
2. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर
3. स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर

विश्वविद्यालय ने वर्तमान में उपलब्ध शिक्षकों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए एवँ शिक्षा की गुणवता सुनिश्चित करने के लिये 138 पी.जी. सीटें स्वीकृत की। स्टॉफ और सुविधाओं की उपलब्धता के आधार पर एम.वी.एससी. के लिए प्रत्येक विषय में कम से कम तीन और अधिकतम छः सीटें हैं। एम.वी.एससी. में प्रवेश भारतीय कृशि अनुसंधान परिशद् आईसीएआर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (एआईईईए) के माध्यम से किया जाता है। पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नात्तकोतर पाठ्यक्रम पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानियाँ, उदयपुर तथा स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान संस्थान, जयपुर में निम्नलिखित विषयों में चलाये जा रहे हैं।

पशुचिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम के लिए सीटों की संख्या

क्र. सं.	विषय	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर			पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ उदयपुर			पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर		
		राज्य	आई.सी. ए.आर.	संदाय	राज्य	आई.सी. ए.आर.	संदाय	राज्य	आई.सी. ए.आर.	संदाय
1.	पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी	1	1	–	1	1	1	1	1	1
2.	पशु पोषण	2	1	2	2	1	1	2	1	2
3.	पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्धन	3	1	2	1	1	1	1	1	1
4.	पशु शरीर रचना एवं औतिकी	2	1	2	1	1	1	–	–	–
5.	पशुचिकित्सा एवं पशु पालन प्रसार शिक्षा	2	–	1	–	–	–	2	–	1
6.	पशु जैव रसायन	1	–	1	–	–	–	1	–	1
7.	पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र	2	–	1	2	–	2	3	–	3
8.	पशु जानपदिक रोग विज्ञान एवं निवारक चिकित्सा	–	–	–	–	–	–	–	–	–
9.	पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान	2	–	2	1	1	1	1	–	1
10.	पशु सूक्ष्म–जैविकी	1	–	1	2	–	1	1	–	1
11.	पशु परजीवी विज्ञान	1	1	–	1	1	1	1	–	1
12.	पशु व्याधिकी	2	1	2	2	1	2	1	1	1
13.	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	1	1	–	1	–	1	1	–	1
14.	पशुचिकित्सा जनस्वास्थ्य विज्ञान	1	–	1	1	–	–	1	–	1
15.	पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण	5	1	3	–	–	–	2	1	2
16.	पशु जैव प्रौद्योगिकी	–	1	–	–	–	–	–	–	–
17.	पशुचिकित्सा औषध एवं विष विज्ञान	2	1	2	–	–	–	–	–	–
18.	पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	1	1	1	–	–	1	1	–	1
	कुल	**29**	**11**	**21**	**15**	**07**	**13**	**19**	**05**	**18**

नोट : प्रवेश के समय विश्वविद्यालय के विभागों में शिक्षकों एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर प्रत्येक वर्ष विभिन्न विषयों में सीटों को बढ़ाया या घटाया जाता है।

एम.वी.एससी. पाठ्यक्रम में छात्र संख्या

संघटक पशुचिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	एम.वी.एससी.		कुल छात्र संख्या
	I	II	
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	56	46	**102**
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	34	15	**49**
पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	40	21	**61**
कुल छात्र	**130**	**82**	**212**

3.1.4 विद्या–वाचस्पति/डाक्टरेट पाठ्यक्रम (पीएच.डी.)

विद्या–वाचस्पति/डाक्टरेट पाठ्यक्रम में प्रवेश भारतीय कृशि अनुसंधान परिशद् आईसीएआर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (एआईसीई–जेआरएफ/एसआरएफ पीएच.डी.) के माध्यम से किया जाता है। के आधार पर निम्नलिखित विषयों में दिये जाते हैं। विद्या–वाचस्पति/डाक्टरेट पाठ्यक्रम में पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर, पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय नवानियाँ, उदयपुर तथा स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान संस्थान, जयपुर में निम्नलिखित विषयों में चलाये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय ने वर्तमान में उपलब्ध शिक्षकों की उपलब्धता के आधार पर चालू सत्र में 68 पीएच.डी. की सीटें हैं।

क्र. सं.	विषय	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर			पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ उदयपुर			पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर		
		राज्य	आई.सी.ए.आर.	संदाय	राज्य	आई.सी.ए.आर.	संदाय	राज्य	आई.सी.ए.आर.	संदाय
1.	पशु प्रजनन एवं आनुवांशिकी	–	1	–	1	1	1	1	1	1
2.	पशु पोषण	1	1	–	1	–	1	1	1	1
3.	पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्धन	2	1	1	–	–	–	1	1	1
4.	पशु शरीर रचना एवं औतिकी	1	1	1	1	–	–	–	–	–
5.	पशुचिकित्सा एवं पशु पालन प्रसार शिक्षा	1	–	1	–	–	–	2	–	1
7.	पशु जैव रसायन	1	–	–	–	–	–	–	–	–
8.	पशु नैदानिक चिकित्सा, आचार एवं न्यायशास्त्र	1	–	–	1	–	1	2	–	2
9.	पशु जानपदिक रोग विज्ञान एवं निवारक चिकित्सा	–	–	–	–	–	–	–	–	–
10.	पशु प्रसूति एवं मादा रोग विज्ञान	1	–	1	1	–	–	1	–	–
11.	पशु सुक्ष्म–जैविकी	1	–	1	1	–	–	1	–	–
12.	पशु व्याधिकी	1	1	1	1	–	–	1	1	–
13.	पशु शल्य चिकित्सा एवं विकिरण	2	1	1	–	–	–	1	1	1
14.	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	–	1	–	1	–	–	–	–	–
15.	पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	–	1	–	–	–	–	1	–	–
16.	पशुचिकित्सा जनस्वास्थ्य विज्ञान	1	–	–	–	–	–	1	–	–
17.	पशु जैव प्रौद्योगिकी	–	–	–	–	–	–	–	–	–
18.	पशुचिकित्सा औषध एवं विष विज्ञान	1	–	1	1	–	–	–	–	–
	कुल	**14**	**8**	**8**	**9**	**1**	**3**	**13**	**5**	**7**

नोट : प्रवेश के समय विश्वविद्यालय के विभागों में शिक्षकों एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर प्रत्येक वर्ष विभिन्न विषयों में सीटों को बढ़ाया या घटाया जाता है।

पी.एच.डी. पाठ्यक्रम में छात्र संख्या

संघटक पशुचिकित्सा महाविद्यालय का नाम	पीएच.डी.			कुल छात्र
	I	II	III	
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	20	22	12	**54**
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर,उदयपुर	05	03	–	**08**
पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	13	6	01	**20**
कुल छात्र	**38**	**31**	**13**	**82**

3.1.5 पशुपालन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (ए.एच.डी.पी.)

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालन में स्वरोजगारोन्मुख दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2007–08 से चलाया जा रहा है। विश्वविद्यालय इस कार्यक्रम के लिए बुनियादी सुविधाऐं हॉस्टल, नैदानिक सुविधाऐं, फार्म सहित मौजूदा सुविधाओं का उपयोग कर रहा है। विश्वविद्यालय के अधीन वर्ष 2023–24 में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु 4 राजकीय 7 संघटक एवं 89 निजी पशुपालन डिप्लोमा संस्थान संचालित हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय के संघटक पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों में छात्र संख्या

क्र. सं.	संघटक एवं संबद्ध पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों का नाम	डिप्लोमा पाठ्यक्रम		कुल छात्र संख्या
		I	II	
1.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	सत्र 2023–24 की प्रवेश हेतु कांउसलिग जारी है।	42	42
2.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर		48	48
3.	स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर		50	50
4.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, नोहर, हनुमानगढ़		47	47
5.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चांदन, जैसलमेर		40	40
6.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चित्तौड़गढ़		49	49
7.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, डग, झालावाड़		47	47
कुल छात्र			**323**	**323**

स्वीकृत छात्र सीटों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

पाठ्यक्रम	अवधि	स्वीकृत छात्र संख्या		
		2021–22	**2022–23**	**2023–24**
स्नातक	5 वर्ष 6 माह	240	300	300
	8 सेमेस्टर	120	120	120
स्नाकोत्तर	2 वर्ष	107	113	138
विद्या वाचस्पति	3 वर्ष	35	46	68
*स्नातक पूर्व (डिप्लोमा पाठयक्रम)	2 वर्ष	350	350	350

* संघटक पशुपालन डिप्लोमा संस्थाए

बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच. पाठ्यक्रम में छात्रों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	2021–22	2022–23	2023–24
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	362	443	458
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	354	451	447
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	345	428	439
कुल छात्र		**1061**	**1322**	**1344**

बी.टेक पाठ्यक्रम में छात्रों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	2021–22	2022–23	2023–24
1.	डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर	06	44	42
2.	डेयरी विज्ञान एवं खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी, जयपुर			
3.	(अ) डेयरी विज्ञान	02	16	16
	(ब) खाद्य विज्ञान	04	09	10
कुल छात्र		**12**	**69**	**68**

एम.वी.एससी. पाठ्यक्रम में छात्रों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	2021–22	2022–23	2023–24
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	106	102	102
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	50	47	49
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	56	47	61
कुल छात्र		**212**	**196**	**212**

पी.एच.डी. पाठ्यक्रम में छात्रों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	संघटक पशु चिकित्सा महाविद्यालयों का नाम	2021–22	2022–23	2023724
1.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	45	46	54
2.	पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, वल्लभनगर, उदयपुर	11	10	8
3.	पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर	16	12	20
कुल छात्र		**72**	**68**	**82**

संघटक पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों में छात्रों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	संघटक एवं संबद्ध पशुपालन डिप्लोमा संस्थानों का नाम	2021–22	2022–23	2023–24*
1.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर	81	87	42
2.	पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानियाँ, उदयपुर	92	96	48
3.	स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर	82	93	50
4.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, नोहर, हनुमानगढ़	89	92	47
5.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चांदन, जैसलमेर	74	83	40
6.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, चित्तौड़गढ़	95	95	49
7.	पशुपालन डिप्लोमा संस्थान, पशुधन अनुसंधान केंद्र, डग, झालावाड़	85	92	47
कुल छात्र		**598**	**638**	**323**

***सत्र 2023–24 की प्रवेश हेतु कांउसलिग प्रक्रियाधीन है।**

स्वीकृत एवं कार्यरत पदों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

पद का नाम	स्वीकृत			कार्यरत			रिक्त		
	2021–22	2022–23	2023–24	2021–22	2022–23	2023–24	2021–22	2022–23	2023–24
आचार्य	59	74	94	26	24	20	33	50	94
सह–आचार्य	114	125	146	02	02	05	112	123	146
सहायक आचार्य	253	310	409	99	98	145	154	212	239
अधिकारी	19	22	26	04	03	04	15	19	22
कनिष्ठ अधिकारी	32	35	39	04	10	10	28	25	29
मंत्रालयिक कर्मचारी	170	184	208	36	43	40	134	141	168
तकनीकी कर्मचारी	241	250	259	38	35	29	203	215	230
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	440	452	484	124	120	171	316	332	313
योग	**1328**	**1452**	**1665**	**333**	**335**	**424**	**995**	**1117**	**1241**

3.2 अनुसंधान परियोजनाएँ:–

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर में इस वर्ष 03 राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाएं, 10 राज्य पोषित अनुसंधान परियोजनाएं एवं 05 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित पर योजनाएं संचालित की गई।

क्र.सं.	परियोजनाएं	2023–24
1	भारतीय कृषि अनुसंधान परियोजनाएं	05
2	राज्य पोषित अनुसंधान परियोजनाएं	10
3	राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाएं	03

पशुधन अनुसंधान केन्द्रों द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले गौवंश का वितरणः

क्र.सं.	पशुधन अनुसंधान केन्द्र का नाम	2023–24
1	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर (राठी)	06
2	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, नोहर (राठी)	29
3	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, चाँदन (थारपारकर)	26
4	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीछवाल (थारपारकर)	11
5	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, कोडमदेसर (कांकरेज)	3
6	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, कोडमदेसर (साहीवाल)	35
7	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, वल्लभनगर (गिर)	44
8	पशुधन अनुसंधान केन्द्र, डग (मालवी)	25

पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बोजुन्दा, (चितौड़गढ़) में संचालित परियोजना के अन्तर्गत सिरोही बकरियों में अनुवांशिक सुधार हेतु उच्च गुणवत्ता वाले सिरोही बकरे 2023–24 में 95 रजिस्टर्ड पशुपालकों को वितरित किए गए।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदः

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं के अंतर्गत इस विश्वविद्यालय के अधीन निम्नलिखित परियोजनाएं संचालित है।

सूरती भैंस उन्नयन हेतु नेटवर्क परियोजना (वल्लभनगर): सीमन प्रयोगशाला

- एक पूरी तरह से सुसज्जित जमे हुए– वीर्य प्रयोगशाला शुरुआत से ही लगातार काम कर रही है, जिसमें 90,000 से अधिक खुराकें भंडार में हैं।
- प्रोजेनी की 33,000 से अधिक खुराकों का सूरती बैलों पर परीक्षण किया गया।
- 13,000 से अधिक सिद्ध सायर वीर्य खुराक उपलब्ध हैं।

ए.आई.सी.आर.पी. मारवाड़ी बकरी परियोजना (बीकानेर):

इस परियोजना में कुल 153 किसानों को मारवाड़ी फील्ड इकाई में पंजीकृत किया गया एवं किसानों की क्षमता निर्माण के लिए 6 प्रशिक्षण आयोजित किए गए। वर्ष 2023–24 के दौरान स्वास्थ्य कवरेज के अन्तर्गत किए गए मामलों की कुल संख्या 31,365 थी जिसमें रोगनिरोधी (77.75%) और उपचारात्मक (22.25%) दोनों प्रकार के कार्य शामिल थे।

ए.आई.सी.आर.पी. सोनाडी भेड़ परियोजना (वल्लभनगर):

इस परियोजना के अंतर्गत सोनाडी भेड़ नस्ल सुधार हेतु वर्ष 2023–24 में 38 उच्च गुणवत्ता वाले मेंढ़ो का वितरण किया गया व साथ ही अनुसुचित जनजाति पशुपालकों को प्रशिक्षण दिया गया है

केन्द्र	बकरों की संख्या
देवगढ़	10
भादसोडा	5
करगेट	5
बौजूंदा	7
माल्कीतुस	11
कुल	38

ए.आई.सी.आर.पी. सोनाढ़ी भेड़ परियोजना (वल्लभनगर):
मेढों का वितरण एवं भेड़ का गर्भधारण विवरण (जनवरी–दिसम्बर 2023 तक)

केन्द्र का नाम	लाभान्वित किसानों की संख्या	नए मेढों के वितरण की संख्या	मेढ़ों का पुर्नवितरण	नए एवं पुर्नवितरण मेढ़ों की कुल संख्या	नई एवं पुर्नवितरित मेढ़ों द्वारा गर्भधारण करने वाली भेडों की कुल संख्या
अनुसूचित क्षेत्र (01)	74	26	08	34	1050
गैर अनुसूचित क्षेत्र (02)	46	09	04	13	1100
कुल	120	35	12	47	2150

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना :

राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाओं में पूर्व में स्वीकृत 28 परियोजनाओं का उद्देश्य पूर्ण हो गया है व तीन परियोजनाऐं इस वर्ष भी जारी है। जिसमें तीन नई परियोजनाएं जयपुर में किसान छात्रावास की सुविधाएं, जूनोटिक रोगों का निदान, निगरानी एवं प्रतिक्रिया केन्द्र, किसानों के लिये प्रशिक्षण केन्द्र तथा दक्षिणी राजस्थान में गाय–भैंसों की प्रजनन क्षमता बढ़ाने के लिए राजकीय पैरावेट को प्रशिक्षण दिया जाएगा, बी.एस.एल. प्रयोगशाला की स्थापना की गई है।

राज्य पोषित अनुसंधान परियोजनाएँ:

इसके अंतर्गत अनुदान अनुसंधान केंद्र स्थापित है, इसमें राठी गौवंश का सरंक्षण, मूल्यांकन एवं सुधार हेतु नोहर व बीकानेर में, कांकरेज नस्ल गौवंश प्रजनन फार्म, कोडमदेसर, गिर गौवंश प्रजनन फार्म वल्लभनगर (उदयपुर), थारपारकर प्रजनन फार्म बीछवाल (बीकानेर) व चाँदन (जैसलमेर), गौवंश पशु प्रजनन फार्म डग (झालावाड़), सिरोही बकरी प्रजनन फार्म बोजुन्दा (चितौड़गढ़) एवं सरमथुरा (धौलपुर) में स्थापित है।

दूध गुणवत्ता नियंत्रण हेतु जैविक पशु उत्पाद प्रौद्योगिकी केन्द्र में एंटीबायोटिक दवाओं के अवशेषों, एफ्लाटॉक्सिन कीटनाशकों, दूध में मिलावट, दूध के पास्चुरीकरण की दक्षता, एलर्जी पैदा करने वाले खाद्य अवशेषों, सतह और पानी में संदूषण आदि का पता लगाने के लिए प्रयोगशाला संचालित की जा रही है।

वन्यजीव अनुसंधान केंद्र जोरबीर कंजर्वेशन रिजर्व बीकानेर में पक्षियों की आबादी और प्रवासन पैटर्न पर विभिन्न पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव के संबंध में लगातार अध्ययन किया जा रहा है। इस वर्ष में विभिन्न कारकों के प्रभाव का आकलन करने के लिए, प्रजातियों के अनुसार पक्षियों की आबादी, तापमान, आर्द्रता और हवा के वेग को दर्ज किया गया और उनका विश्लेषण किया गया।

पशु जैव विविधता केन्द्र परियोजना के तहत किसानों को जैव विविधता क्या है और इसका महत्व, जैव विविधता के विभिन्न आर्थिक महत्व, जानवरों की विभिन्न स्वदेशी प्रजातियों के बारे में जानकारी और पशु जैव विविधता के संरक्षण के बारे में जानकारी के लिए विभिन्न प्रकार के नए प्रकाशन वितरित किए गए, जैसेः– जैव विविधता : एक परिचय, जैव विविधता के महत्त्व, गिद्धो का संरक्षण, बकरियों की प्रमुख नस्लें व उत्पादन, ऊँटों का संरक्षण, हिरणों की नस्ल एवं संरक्षण, कुक्कट जैव विविधता, देशी नस्ल (राठी) गाय का संरक्षण, देशी नस्ल (साहीवाल) गाय का संरक्षण, अश्व जैव विविधता एवं भेड़ जैव विविधता।

जनवरी, 2023 से दिसंबर, 2023 के दौरान एलआरएस बीकानेर में स्थापित पशु आहार संयंत्र में मुर्गीपालन की विभिन्न श्रेणियों के लिए कुल 82146.19 किलोग्राम फीड का निर्माण किया गया और पोल्ट्री फार्म, सीवीएएस, राजूवास, बीकानेर और केवीके नोहर को प्रदान किया गया।

भारत में गांठदार त्वचा रोग महामारी (लम्पी स्किन डिजिज) के परिदृश्य में, विश्वविद्यालय ने जिम्मेदारी ली है और राजूवास इम्यूनो बूस्टर विकसित किया है जो एलएसडी प्रभावित मवेशियों के लिए प्रभावी समाधान साबित हुआ है। यह फार्मूला पेटेंट (अनंतिम) देने की प्रक्रिया में भी है। जनवरी, 2023 से दिसंबर, 2023 के दौरान पशुधन अनुसंधान स्टेशन, राजुवास, देश भर के गौशालाओं, गैर सरकारी संगठनों और किसानों को कुल 205.25 किलोग्राम इम्यूनो–बूस्टर प्रदान किया गया।

एलआरएस बीकानेर में स्थापित खनिज मिश्रण संयंत्र में कुल 13795 किलोग्राम खनिज मिश्रण का निर्माण किया गया और जनवरी, 2023 से दिसंबर, 2023 के दौरान विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों, किसानों और अन्य लाभार्थियों को 13516 किलोग्राम खनिज मिश्रण प्रदान किया गया।

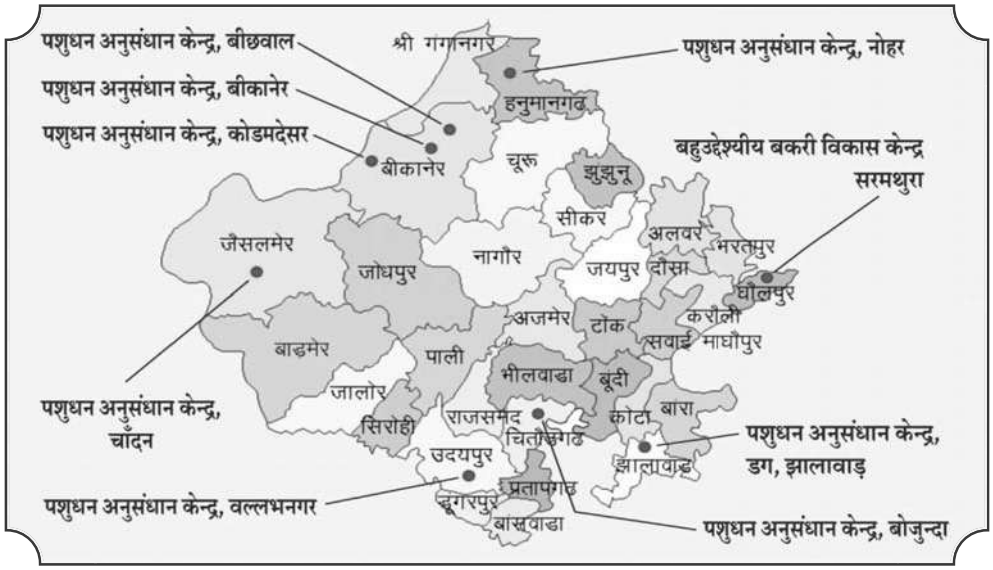

पशुधन अनुसंधान केन्द्र

3.3 प्रसार शिक्षा कार्यक्रम

प्रसार शिक्षा निदेशालय एक नोडल एजेन्सी के रूप में विश्वविद्यालय के लिए राज्य में पशुधन विकास का कार्य कर रहा है। प्रसार शिक्षा निदेशालय विश्वविद्यालय के तीन प्रमुख स्तम्भों शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार में से एक महत्त्वपूर्ण स्तम्भ है। प्रसार शिक्षा निदेशालय अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पशुपालक समुदाय को नवीन तकनीकों व प्रचार–प्रसार सेवाओं को गांव–ढांणी तक पहुंचाकर पशुधन कल्याण व विकास के महत्ती कार्य में जुटा हुआ है। पशुधन विकास के लिए विश्वविद्यालय के जनोपयोगी अनुसंधान कार्यों और उन्नत तकनीकों के शीघ्र हस्तांतरण के लिए निदेशालय वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ–साथ पशुपालकों व गौशाला प्रबंधकों की उन्नत पशुपालक गोष्ठियों का आयोजन, सलाहकारी सेवाएं और संभावित पशुरोगों की रोकथाम के लिए रोग पूर्वानुमान बुलेटिन जारी करने जैसे कार्य करके कृषकों और पशुपालकों को लाभ पहुंचा रहा है। इसके साथ ही पशुओं के बांझपन निवारण शिविर, पशुओं की रोग निदान सेवाएं, कृषक प्रशिक्षण, कृषक–वैज्ञानिक संवाद, प्रथम पंक्ति प्रदर्शन जैसे आयोजनों में भी इस निदेशालय की सक्रिय भागीदारी रहती है। विश्वविद्यालय के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में यह निदेशालय प्रसार शिक्षा कार्यक्रमों के दिशा–निर्देश, निगरानी और मूल्यांकन जैसे कार्य करता है। राजुवास का प्रसार शिक्षा निदेशालय वैज्ञानिक प्रशिक्षण, सलाहकारी सेवाएं और संचार जैसे तीन प्रमुख क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध की जानकारी पहुंचाने हेतु उनकी समस्याओं के समाधान हेतु राज्य के 17 जिलों में पशु विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये पशु विज्ञान केन्द्र बाकलिया (नागौर), सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर), रतनगढ़ (चूरू), कुम्हेर (भरतपुर), कोटा, सिरोही, डूंगरपुर, अविकानगर (टोंक), धौलपुर, बौजूंदा (चितौड़गढ़), लूणकरणसर (बीकानेर), जोधपुर, झुंझुनूं, जोबनेर (जयपुर), जालौर एवं जोजावर (पाली) में स्थित है तथा एक कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़) में स्थापित किया गया है।

पिछले तीन वर्षो का पशु विज्ञान केन्द्रों का तुलनात्मक विवरण

	2021–22	2022–23	2023–24
पशु विज्ञान केन्द्रों की संख्या	15	15	17
प्रशिक्षण कार्यक्रम	1044	749	861
प्रशिक्षण लाभार्थी	35319	22192	22621

ऑनलाईन / संस्थागत व असंस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय ने अभिनव नवाचार करते हुए किसानों एवं पशुपालकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ किये। इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़) द्वारा अब तक 861 ऑनलाईन, संस्थागत व असंस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिससे 22621 पशुपालक एंव कृषकों को लाभान्वित किया गया है।

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) के अन्तर्गत किसानों एवं पशुपालकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर आयोजित किये जा रहे है। इस वर्ष 48 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 1578 पशुपालकों एवं कृषकों को लाभान्वित किया गया।

रोग निदान तकनीकों पर 20 फिल्ड पशुचिकित्सकों का प्रशिक्षण

वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं पशुपालन विभाग, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में फील्ड पशुचिकित्सकों के लिए भारत सरकार की एस्केड परियोजना के अंर्तगत पांचदिवसीय प्रशिक्षण शिविर पशुओं में रोग निदान एवं नियंत्रण विषय पर आयोजित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव पर विश्वविद्यालय प्रदर्शनी का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव (13–15 जनवरी, 2023) के तहत बीकानेर में कृषि सबंद्व समस्त संस्थानों/केन्द्रों/विश्वविद्यालयों आदि की उन्नत वैज्ञानिक तकनीकी सबंधी जानकारी पर्यटकों व आमजन के समक्ष प्रदर्शित करने के प्रयोजनार्थ दिनांक 14 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर में प्रसार शिक्षा निदेशालय, राजुवास द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में पशुचिकित्सा की आधुनिक तकनीक व नवाचारों तथा पशुपालन कि वैज्ञानिक तौर–तरीको को माडॅल, चार्टस, पैनल्स, रगीन चित्रों द्वारा प्रदर्शित किया गयासाथ ही पशुपोषण की उन्नत तकनीकों जैसे संतुलित पशु आहार बनाना, अजोला उत्पादन, यूरिया मोलासेस मिनरल ब्लॉक बनाने की विधि व मॉडल का सजीव प्रदर्शन भी किया गया। विश्वविद्यालय की प्रदर्शनी का अवलोकन प्रो. (डॉ.) सतीश के. गर्ग, कुलपति, राजुवास, बीकानेर, श्रीमान भगवती प्रसाद कलाल, जिला कलक्टर, बीकानेर सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा अवलोकन कर सराहना की।

कृषि महोत्सव, कोटा में राजुवास प्रदर्शनी का आयोजन

दशहरा मेदान, कोटा मे दिनांक 24–25 जनवरी, 2023 को आयोजित कृषि महोत्सव कार्यक्रम के तहत निदेशालय प्रसार शिक्षा, राजुवास, बीकानेर द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। माननीय अध्यक्ष, लोकसभा श्री ओम बिरला एंव केंद्रीय कृषि एंव विकास कल्याण मंत्री, भारत सरकार श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने इस मेले का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित विभिन्न गतिविधियों को पोस्टरर्स व मॉडल्स के माध्यम से प्रदर्शित किया। जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि एवं पशुपालन की नवीनतम तकनीकों से जोड़कर किसानो एवं पशुपालकों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाना है। निदेशक प्रसार शिक्षा राजुवास, बीकानेर प्रो. (डॉ) राजेश कुमार धूड़िया के निर्देशन मे डॉ. अतुल शंकर अरोड़ा, सहायक आचार्य एंव डॉ सीमा मीणा, टीचिंग एसोसिएट प्रदर्शनी के आयोजन मे समन्वयक की भूमिका निभाई। राजुवास प्रदर्शनी के अन्तर्गत पशुपोषण की उन्नत तकनीकों जैसे संतुलित पशु आहार बनाना, अजोला उत्पादन, यूरिया मोलासेस मिनरल ब्लॉक बनाने की विधि व मॉडल का सजीव प्रदर्शन व पशुपालन के विभिन्न आयामों पर प्रकाशित प्रकाशनो का वितरण भी पशुपालको को किया गया।

बाड़मेर के श्री मल्लिनाथ कृषि एवं पशुपालन मेले में विश्वविद्यालय प्रदर्शनी

बाड़मेर जिले के तिलवाड़ा मे श्री मल्लिनाथ कृषि एवं पशुपालन मेले में दिनांक 21–22 मार्च को निदेशालय प्रसार शिक्षा, राजुवास द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय प्रदर्शनी तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर (हनुमानगढ़–II) द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। निदेशक प्रसार शिक्षा, राजुवास, बीकानेर के निर्देशन में डॉ. विक्रमजीत, विषय विशेषज्ञ एवं श्री अक्षय घिंटाला, टीचिंग एसोसिएट प्रदर्शनी आयोजन में समन्वयक की भूमिका निभाई। इस प्रदर्शनी में पशुचिकित्सा की आधुनिक तकनीक व नवाचारों तथा पशुपालन कि वैज्ञानिक तौर–तरीको को माडॅल, चार्टस, पैनल्स, रगीन चित्रों द्वारा प्रदर्शित किया गया साथ ही पशुपोषण की उन्नत तकनीकों जैसे संतुलित पशु आहार बनाना, मिनरल्स मिक्चर, अजोला उत्पादन, यूरिया मोलासेस मिनरल ब्लॉक बनाने की विधि व मॉडल का सजीव प्रदर्शन भी किया गया। इस मेले में श्री पुरूषोतम रूपाला, केन्द्रीय पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन मन्त्री, भारत सरकार व श्री कैलाश चौधरी, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री, भारत सरकार भी सम्मिलित हुए।

गाढ़वाला में गोपालन हेतु प्रदर्शन इकाइयों का वितरण

वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पोसिबिलिटी के अंतर्गत गोद लिए गांव गाढ़वाला में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण, कृषि विभाग, बीकानेर सहयोग से प्रदर्शन इकाई वितरण कार्यक्रम का आयोजन

25 मार्च को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने पशुपालकों को संबोधित करते हुए कहा कि वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों को अपनाकर तथा मूल्य संवर्द्धन द्वारा पशुपालक अधिक से अधिक लाभ कमा सकता है। प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. राजेश कुमार धूड़िया ने बताया कि इस कार्यक्रम में 40 पशुपालकों को वैज्ञानिक विधि द्वारा गोपालन हेतु प्रर्दशन इकाइयों (फीड मेंजर और पशु चटाई) तथा 6 पशुपालकों को वर्मी कम्पोस्ट बेड का वितरण किया। ममता कुमारी, उपपरियोजना निदेशक, आत्मा ने कृषि एवं पशुपालन में हो रहे नवाचारों के बारे में बताया तथा आत्मा के उद्देश्यों एवं गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक डॉ. नीरज कुमार शर्मा ने किया।

किसान मेला–2023 में विश्वविद्यालय प्रदर्शनी का आयोजन

स्वामी केशवांनद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा दिनांक 27–29 मार्च तक आयोजित किसान मेला– 2023 में निदेशालय प्रसार शिक्षा, राजुवास द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में पशुचिकित्सा की आधुनिक तकनीक व नवाचारों तथा पशुपालन कि वैज्ञानिक तौर–तरीको को माडॅल, चार्टस, पैनल्स, रगीन चित्रों द्वारा प्रदर्शित किया गयासाथ ही पशुपोषण की उन्नत तकनीकों जैसे संतुलित पशु आहार बनाना, मिनरल्स मिक्चर, अजोला उत्पादन, यूरिया मोलासेस मिनरल ब्लॉक बनाने की विधि व मॉडल का सजीव प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर प्रो. राजेश कुमार धूड़िया, निदेशक प्रसार शिक्षा, राजुवास भी मौजूद रहें। प्रदर्शनी के समन्वयक सहायक प्राध्यापक डॉ. अशोक कुमार थे।

गोबर–गौमूत्र प्रसंस्करण पर किसान सम्मेलन का आयोजन

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं राजस्थान गौ सेवा परिषद्, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में गौमूत्र से कीटनाशक बनाने एवं इसके विपणन सम्बन्धी सम्भावनाओं के मद्देनजर एक दिवसीय किसान सम्मेलन 12 अप्रेल को रविन्द्र रंगमंच में आयोजित किया गया। किसान सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीरज के. पवन, संभागीय आयुक्त ने कहा कि गाय के दुग्ध के साथ–साथ गोबर एवं गोमूत्र को भी आर्थिक उन्नति का आधार बनाएं। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने कहा कि राजस्थान के देशी गोवंश की उत्पादन क्षमता बहुत अच्छी है। हमें पशुधन की उत्पादन क्षमता को देखते हुए इनके संरक्षण एवं संवर्द्धन के समुचित प्रयास जारी रखने होंगे। प्रो. ए.के. गहलोत, राष्ट्रीय समन्वयक, राजस्थान गौ सेवा परिषद् एवं पूर्व कुलपति, राजुवास ने बताया कि पशुपालकों के अथक प्रयासों से राजस्थान दुग्ध उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। विशिष्ट अतिथि स्वामी संवित् विमर्शानन्द गिरी जी अधिष्ठाता शिवमठ, शिवबाडी, बीकानेर ने मनुष्य के जीवन में गौवंश के महत्व और उपादेयता पर अपने उद्‌बोधन में कहा कि गाय एक लघु जैव मण्डल है। जिसकी पूर्ण उपयोगिता को समझना सभी के लिए बहुत जरूरी हैं। सम्मेलन के नोड़ल अधिकारी प्रो. राजेश कुमार धूड़िया, निदेशक प्रसार शिक्षा, राजुवास ने इस सम्मेलन के आयोजन का समन्वय किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इससे पूर्व किसान सम्मेलन के तकनीकी सत्र का आयोजन डॉ. लाल सिंह, अतिरिक्त निदेशक गोपालन विभाग, जयपुर के साथ–साथ सीताराम सोलंकी (राष्ट्रीय समन्वयक गोसेवा परिषद्, इन्दौर), डॉ. विरेन्द्र नेत्रा (सयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग), डॉ. सुभाष चन्द (निदेशक प्रसार शिक्षा, एस.के.आर.ए.यू.), नोपाराम जाखड़ (अध्यक्ष उरमूल डेयरी), श्री कैलाश चौधरी (सयुक्त निदेशक कृषि), श्री गजेन्द्र सिंह सांखला, रिद्धकरण सेठिया, गजानन्द अग्रवाल, मुकेश गहलोत, नीलम गोयल, ने सम्बोधित किया। अतिथियों द्वारा "पशुपालक नये आयाम" पुस्तिका एवं "जैविक खेती एवं पशुपालन में केचुआ खाद का महत्व" विषय पर प्रकाशित फोल्डर का विमोचन किया गया। किसान सम्मेलन के दौरान वेटरनरी विश्वविद्यालय के साथ–साथ कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, सी.एस. डब्लू.आर.आई., एन.आर.सी.सी., एस.के.आर.ए.यू., लोट्स डेयरी, राजस्थान ग्रामिण बैंक, खादबीज विपणन आदि संस्थाओं ने प्रदर्शनी का आयोजन किया। सम्मेलन के दौरान पूर्व महापौर नारायण चौपड़ा, मेघराज सेठिया, डॉ. तपेश माथुर, अरविन्द मिड्ढा सहित किसान–पशुपालक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र नोहर में हुआ जिला स्तरीय मिलेट्स कृषक संगोष्ठी का आयोजन

वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, नोहर में 26 अप्रेल को जिलास्तरीय मिलेट्स संगोष्ठी का आयोजन किया गया।इस अवसर पर माननीय सांसद श्री राहुल कस्वां, लोकसभा क्षेत्र, चूरू, डॉ. जे.पी. मिश्रा, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान

परिषद–अटारी जोधपुर, वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री अभिषेक मटोरिया, पूर्व विधायक (नोहर), प्रो. राजेश कुमार धूडिया, निदेशक प्रसार शिक्षा, राजुवास उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राहुल कस्वां ने अपने उदबोधन में बताया कि वर्ष–2023 को विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसका प्रस्ताव भारत ने दिया था और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसका अनुमोदन किया था। कार्यक्रम के दौरान श्री अमर सिंह पूनिया, पूर्व प्रधान (नोहर), श्री दीपचंद बेनीवाल, जिला परिषद सदस्य, प्रो. कुलदीप नेहरा, प्रभारी अधिकारी, पशुधन अनुसंधान केंद्र, नोहर डॉ. सुरेश चंद कांटवा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र, नोहर, डॉ. आर.के. शिवरान, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र, चांदगोठी, चूरू, डॉ. अनूप कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र, संगरिया, श्री बलवीर खाती, पूर्व उपनिदेशक आत्मा, हनुमानगढ़ इत्यादि उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर के नवनिर्मित किसान घर व कुक्कुट पालन इकाई का लोकार्पण

वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, नोहर में 26 अप्रेल को नवनिर्मित किसान घर व कुक्कुट पालन इकाई का लोकार्पण माननीय सांसद श्री राहुल कस्वां, लोकसभा क्षेत्र, चूरू, डॉ. जे.पी. मिश्रा, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–अटारी जोधपुर, वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री अभिषेक मटोरिया, पूर्व विधायक (नोहर), प्रो. राजेश कुमार धूडिया, निदेशक प्रसार शिक्षा, राजुवास उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राहुल कस्वां ने अपने उदबोधन में बताया कि किसानों को नवाचार अपनाते हुए एकीकृत कृषि प्रणाली जिसमें कृषि के साथ–साथ अन्य उद्यम जैसे मशरूम, मधुमक्खी, मशरूम, बागवानी, सब्जी उत्पादन, नकदी फसल, चारा फसल, पशुपालन, मुर्गी–पालन व मत्सय पालन को शामिल करके कृषि में जोखिम को कम करने व लाभदायक व्यवसाय बनाने की सलाह दी। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, नोहर के द्वारा तैयार बैकयार्ड मुर्गी पालन, जीरो बजट प्राकृतिक खेती एवं काचरी की उन्नत खेती फोल्डर का विमोचन भी किया गया।

पशु विज्ञान केन्द्र जालौर के भवन का लोकार्पण

वेटरनरी विश्वविद्यालय के पशु विज्ञान केन्द्र, रामसीन (जालौर) के नवनिर्मित भवन का 3 मई को ऑनलाईन लोकार्पण कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के मंत्री श्री लालचन्द कटारिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंत्री महोदय ने विश्वविद्यालय व राज्य के पशुपालकों को बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान पशुधन बाहुल्य प्रदेश है पशुपालन पशुपालकों की आजीविका का मुख्य आधार है। जलवायु की विषम परिस्थितियाँ में पशुपालन ही किसानों की आर्थिक स्वावलम्बन का प्रमुख आधार वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने विश्वविद्यालय की प्रसार गतिविधियों विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, रोग निदान सेवाए, टोल फ्री हेल्प लाईन सर्विस, गोबर–गोमूत्र प्रसंस्करण आदि के बारे में जानकारी प्रदान की। प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो राजेश कुमार धूड़िया ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया एवं कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कुलसचिव बिन्दु खत्री, वित्त नियन्त्रक बी.एल. सर्वा सहित विश्वविद्यालय के डीन–डायरेक्टर मौजूद रहे। पशु विज्ञान केन्द्र जालौर के कार्यकारी प्रभारी डॉ. राजेश सिघांटिया व बड़ी संख्या में केन्द्र पर पशुपालक उपस्थित रहे।

राजस्थान किसान महोत्सव, जयपुर में विश्वविद्यालय प्रदर्शनी का आयोजन

राजस्थान किसान महोत्सव कार्यक्रम में राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी को श्री लालचंद कटारिया, माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य, राजस्थान, पूर्व पशुपालन शासन सचिव श्री कृष्णकुणाल सहित हजारों की संख्या में कृषकों एवं पशुपालकों ने अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की। राजुवास प्रदर्शनी संचालन में विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. राजेश कुमार धूड़िया के नेतृत्व में वैज्ञानिकों द्वारा राज्य की 6 स्वदेशी नस्लों में राठी, थारपारकर, कांकरेज, साहीवाल, गिर और मालवी के आकर्षक मॉडल रख कर उनकी विशेषताओं की जानकारी किसानों, पशुपालकों एवं आमजन को दी गई।

राजस्थान किसान महोत्सव में पशुचिकित्सा एवं डेयरी विषय पर जाजम चौपाल का आयोजन

तीन दिवसीय राजस्थान किसान महोत्सव में पशुचिकित्सा एवं डेयरी विषय पर आयोजित जाजम चौपाल का संचालन वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा किया गया तथा वेटरनरी विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों ने विभिन्न विषयों से सम्बन्धित जाजम चौपाल में भाग लिया। जाजम चौपाल में डॉ. शीला चौधरी, डॉ. धर्मसिंह मीणा, डॉ. समिता सैनी, डॉ. सी.एस. सारस्वत, डॉ. प्रकाश शर्मा, डॉ. विकास गालव, डॉ. नवाब सिंह एवं डॉ. उमेश सुरोड़कर ने भी पशुपालन जाजम चौपाल में भाग लिया।

उदयपुर में सम्भाग स्तरीय किसान महोत्सव में प्रदर्शनी व जाजम चौपाल का आयोजन

उदयपुर में 26–27 जून, 2023 को दो दिवसीय सम्भाग स्तरीय किसान महोत्सव में राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित करने हेतु एक प्रदर्शनी व जाजम चौपाल का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के प्रभारी डॉ. बी.एस सैनी ने प्रदर्शनी में आये पशुपालकों, किसानों एवं आमजन को विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई तथा विश्वविद्यालय द्वारा मुद्रित पशुपालन से सम्बन्धित विभिन्न साहित्यों का वितरण किया गया। प्रदर्शनी में कृषि एवं पशुपालन के अधिकारियों, पशुपालकों–कृषकों ने अवलोकन किया।

पशु पोषण एवं स्वास्थ्य की अभिनव तकनीकों एवं ज्ञान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

वेटरनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में "पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य में आधुनिक प्रचलन" विषय पर 26–28 जुलाई से ऑनलाइन मोड पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के गर्ग ने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से पशुपालन संबंधित नई तकनीकों एवं नवाचारों को प्रसार कार्यकर्त्ताओं एवं फील्ड पशुचिकित्सकों के माध्यम से पशुपालकों तक पहुचाने हेतु नये आयाम मिलेंगे। प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. राजेश कुमार धूड़िया ने कहा कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान देश के ख्याति प्राप्त आई.सी.ए.आर. इंस्टीट्यूट एवं विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञ पशु स्वास्थ्य एवं पशु पोषण के विभिन्न विषयों पर पशुचिकित्सकों, प्रसार कार्यकर्त्ताओं वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों को व्याख्यान प्रदान किया गया। राष्ट्रीय संस्थान मैनेज हैदराबाद के उप–निदेशक डॉ. साहजी फंड ने बताया कि नई तकनीकों, प्रसार विधियों की जानकारी प्रदान करने हेतु इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम देश के अन्य विश्वविद्यालय एवं आई.सी.ए.आर. केन्द्रों पर भी चलाए जा रहे है ताकि देश भर के पशुपालकों को पशुपोषण, स्वास्थ्य, विपणन आदि में नई दशा एवं दिशाओं की जानकारी प्राप्त हो सकें। डॉ. दीपिका धूड़िया, डॉ. जागृति श्रीवास्तव एवं डॉ. सुश्री रेखा दास इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की सह–निर्देशिका रही। प्रशिक्षण में 160 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

पशु उत्पादो का मूल्य संवर्धन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

वेटरनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में "पशु उत्पादों का मूल्यसंवर्धन" विषय पर 30 अक्टूबर, से 1 नवम्बर तक ऑनलाइन मोड पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के गर्ग ने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से पशुउत्पाद प्रसंस्करण संबंधित नई तकनीकों एवं नवाचारों को प्रसार कार्यकर्त्ताओं एवं फील्ड पशुचिकित्सकों के माध्यम से पशुपालकों तक पहुँचाने हेतु नये आयाम मिलेंगे। प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. राजेश कुमार धूड़िया ने कहा कि पशु उत्पादों में मूल्य संवर्धन से युवाओं में उद्यमशीलता की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिलता है, इसके लिए विशेष प्रशिक्षण और उद्यमिता विकास जैसे कार्यक्रमों की आवश्यकता है। प्रशिक्षण में 234 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

''धीणें री बात्यां'' रेडियो कार्यक्रम

पशुपालकों और कृषकों के लिए वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा 10 जनवरी, 2013 से आकाशवाणी से 'धीणे री बात्यां' का प्रसारण शुरू किया गया। यह कार्यक्रम प्रत्येक माह के तृतीय गुरूवार को सांय 5:30 बजे से प्रसारित किया जा रहा है। ''धींणे री

बात्यां'' कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन के विशेषज्ञों द्वारा उपयोगी सामयिक वार्ताएं और नवीन तकनीकी और पशुपालन क्षेत्र में आ रहे नवाचारों के बारे में जानकारी दी जाती है। इसका लाभ पूरे राज्य के किसानों व पशुपालकों को मिल रहा है। दिसम्बर, 2023 में इस कार्यक्रम का 381 वां प्रसारण किया गया।

टोल फ्री हैल्पलाइन सुविधा

विश्वेटरनरी विश्वविद्यालय की महत्वाकांक्षी टोल–फ्री हैल्पलाइन सेवा पर कृषक, पशुपालक और विद्यार्थी किसी भी समय पर वेटरनरी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों, शिक्षकों अथवा अधिकारियों से बातचीत कर अपनी जिज्ञासा तथा शंकाओं का समाधान प्राप्त कर सकते है। इस वर्ष में लगभग **65855** से अधिक कृषक, पशुपालक और विद्यार्थी इस सेवा के माध्यम से लाभान्वित हो चुके है। यह हैल्पलाइन राज्य के पशुपालकों के लिए पशुचिकित्सा विशेषज्ञों से सम्पर्क कर समस्याओं का निदान करने का प्रमुख जरिया बना है।

पिछले तीन वर्षो का टोल फ्री हैल्पलाइन सुविधा का तुलनात्मक विवरण

वर्ष	2021–22	2022–23	2023–24
लाभार्थी	60453	71235	65855

पशु विज्ञान केन्द्रों पर पशु रोग निदान सेवाएं

विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों पर प्रारम्भिक तौर पर रोग निदान सेवाएं प्रारम्भ कर दी गई है, साथ ही इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। इस वर्ष राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा 2097 दूध, रक्त, मूत्र, त्वचा एवं गोबर आदि के नमूनों की जांच कर पशुपालकों को पशुरोगों के प्रति जागरूक किया गया है।

पिछले तीन वर्षो का पशु रोग निदान सेवाओं का तुलनात्मक विवरण

	2021–22	2022–23	2023–24
दूध, रक्त, मूत्र, त्वचा एवं गोबर आदि के नमूनों की जांच	1014	3209	2097

मासिक पत्रिका ''पशुपालन नए आयाम'' का प्रकाशन

विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रतिमाह एक मासिक पत्रिका ''पशुपालन नए आयाम'' का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पत्रिका में पशुपालकों को पशुपालन उपयोगी तकनीकी और वैज्ञानिक जानकारी, पशु रोगों और उनके उपचार के साथ–साथ पौष्टिक आहार, प्रजनन और पशु प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाती है। प्रतिमाह पत्रिका को पशुपालकों एवं किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। समय–समय पर अन्य प्रकाशन जैसे फोल्डर, बुकलेट, लिफलेट इत्यादि भी प्रकाशित किये जाते है। ये सभी प्रकाशन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित अन्य प्रसार गतिविधियां

प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीन विभिन्न जिलो मे स्थापित पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा विचार गोष्ठी, कृषक–वैज्ञानिक संवाद, तकनीकी स्थानान्तरण, जागरूकता कार्यक्रम, क्षेत्र–भ्रमण आदि विभिन्न प्रसार गतिविधियां आयोजित की गई है। इस वर्ष 627 अन्य प्रसार गतिविधियां आयोजित कर 13090 पशुपालकों एवं किसानों को लाभान्वित किया गया है।

4. आलौच्य वर्ष में विशेष पहल एवं उपलब्धियां :-

- माननीय मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023–24 की बजट घोषणा में सिरोही, बस्सी (जयपुर), लालसोट (दौसा) एवं सीकर में एक–एक नये पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय खोले जाने की घोषणा की है। इन महाविद्यालयों के लिए राज्य सरकार द्वारा शैक्षणिक व अशैक्षणिक पदों के लिए 41–41 पद की स्वीकृति जारी की जा चुकी है। इससे पहले वर्ष 2022–23 एवं 2021–22 में की बजट घोषणा के तहत वेटरनरी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत भरतपुर, कोटपुतली एवं मलसीसर (मण्डावा), झुंझूनू व नावां (नागौर) में भी नये पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय खोले जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। इन महाविद्यालयों के लिए राज्य सरकार द्वारा शैक्षणिक व अशैक्षणिक पदों की स्वीकृति जारी की जा चुकी है। राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत इन नवीन पशु महाविद्यालयों के लिए जमीन आवंटन व भवन निर्माण की कार्यवाही की जा रही है। इसी तरह राज्य सरकार द्वारा इसी वर्ष जोजावर (पाली) में नवीन पशु विज्ञान केन्द्र के क्रियान्वित हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।
- वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों हेतु विभिन्न विषयों पर साक्षात्कार कर 12 सहायक आचार्यों को चयनित कर नियुक्तियां प्रदान की गई।
- वेटरनरी विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों हेतु विभिन्न पदों पर साक्षात्कार कर कुल 48 सहायक आचार्य एवं समकक्ष पदों पर चयनित कर नियुक्तियां प्रदान की गई।
- 7 जनवरी 2023 को वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने वेटरनरी विश्वविद्यालय और वेटरनरी कॉलेज छात्र संघ के कार्यालय का उद्घाटन किया। इसी क्रम में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानिया, उदयपुर के अधिष्ठाता छात्र संघ के कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया।
- राष्ट्रीय युवा दिवस पर 12 जनवरी 2023 को वेटरनरी विश्वविद्यालय के सभी संघटक महाविद्यालयों में स्वामी विवेकानंद जी की 160 वीं जयंती के अवसर पर अधिकारियों, फैकल्टी सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने स्वामी जी को माल्यापर्ण किया। राजुवास में स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति स्थल पर आयोजित जयंती समारोह में श्री स्वामी संवित् विमार्शनन्द गिरी महाराज, अधिष्ठाता, लालेश्वर महादेव मन्दिर, शिवबाड़ी ने मूर्ति पर माल्यार्पण किया।
- वेटरनरी विश्वविद्यालय और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में 1 फरवरी 2023 को सड़क दुर्घटना के दौरान प्राथमिक उपचार और सड़क सुरक्षा विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम का पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर में आयोजन किया गया।
- पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी तथा मोहन फाउंडेशन, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में देहदान तथा अंगदान हेतु जागरूकता कार्यक्रम पशुचिकित्सा महाविद्यालय, बीकानेर के सभागार में 3 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया।
- 13 मार्च 2023 को पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला "वेटरनरी स्नातकों में उद्यमशीलता विकास हेतु सॉफ्ट स्किल की आवश्यकता" विषय पर पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर में आयोजित की गई।
- वेटरनरी विश्वविद्यालय का षष्ठम् दीक्षांत समारोह 21 मार्च 2023 को आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के 461 छात्र–छात्राओं को उपाधियों और 18 को स्वर्ण पदक तथा 01 को कुलाधिपति स्वर्ण, 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक से अलंकृत किया गया। माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने समारोह में ऑनलाइन शिरकत करते हुए प्रारंभ में संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया जिसे सभी प्रतिभागियों ने मन में दोहराया। समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.एन. त्रिपाठी उप–महानिदेशक (पशुविज्ञान) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, पद्मश्री विज्ञान रत्न प्रो. एम.एल. मदन, पूर्व कुलपति वेटरनरी विश्वविद्यालय मथुरा एवं कृषि विद्यापीठ अकोला (महाराष्ट्र) और पूर्व महानिदेशक (पशुविज्ञान) आई.सी.ए.आर., राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार एवं विशेषाधिकारी श्री गोविन्द जयसवाल ने भी माननीय

राज्यपाल के साथ समारोह में ऑनलाइन रूप से शिरकत की। समारोह में विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल के सदस्य आई.सी.ए.आर. संस्थानों के निदेशक व वैज्ञानिकगण, विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र–छात्राएं और अतिथि अधिक संख्या में उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह में स्नातक योग्यता प्राप्त कर लेने वाले 331 छात्र–छात्राओं को उपाधियां, स्नातकोत्तर स्तर के 96 को उपाधियां तथा 34 को विद्यावाचस्पति उपाधियां प्रदान की गई। 18 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदकों से और स्नातकोत्तर शिक्षा में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर केशव गौड़ को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया। शैक्षणिक सत्र 2021–22 में विश्वविद्यालय के विभिन्न संघटक तथा सम्बद्ध शिक्षण संस्थानों द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 13974 छात्र पंजीकृत थे, जिसमें से 3081 बी.वी.एस.सी एण्ड ए.एच, 120 एम.वी.एस.सी, 57 पी.एच.डी. डिग्री पाठ्यक्रमों में तथा 10716 डिप्लोमा पाठ्यक्रम में पंजीकृत थे। दीक्षांत अतिथि डॉ. एम.एल मदन को डॉक्टर ऑफ साईंस की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

- 28 मार्च 2023 को कर्नल लवदीप यादव, कर्नल आरवीएस, जयपुर कमाण्ड ने वेटरनरी विश्वविद्यालय में 1st राज आर एण्ड वी स्क्वाड्रन एनसीसी की इकाई का तकनीकी निरीक्षण किया। उन्होंने कैडेटों के प्रशिक्षण मानकों की प्रशंसा की, विशेष रूप से लड़कियों कैडेट्स द्वारा दी गई "गार्ड ऑफ हॉनर" व यूनिट की गतिविधियों के साथ ही घोड़ा लाईन का भी निरीक्षण किया।
- वेटरनरी विश्वविद्यालय के सभी संघटक महाविद्यालयों में भारतीय संविधान के जनक, भारत रत्न, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 132वीं जयंती 14 अप्रेल 2023 को मनाई गई इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ.बी.आर. अम्बेडकर की फोटो पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्जित कर उन्हें श्रद्धांजली दी।
- स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पी.जी.आई.वी.ई.आर.), जयपुर में 14 अप्रेल 2023 को राजुवास, बीकानेर के माननीय कुलपति प्रो. सतीश कुमार गर्ग द्वारा संस्थान परिसर में कन्या छात्रावास के नवनिर्मित दूसरी एवं तीसरी मंजिलों का लोकार्पण किया गया।
- इण्डियन सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ केनाइन प्रैक्टिस द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रो. आर.के. धूड़िया को ड्रूल्स–पेट–न्यूट्रीशन अवार्ड से नवाजा गया। प्रो. धूड़िया को दाऊ श्री वासुदेव चन्द्रकार कामधेनू विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़ में इण्डियन सोसाइटी फॉर एड़वासमेट ऑफ केनाइन प्रेक्टिस के "श्वानों के नेदानिक, चिकित्सकीय और पोषण प्रबन्धन में नवीन प्रगति" विषय पर 20–22 अप्रेल, 2023 को आयोजित 19वें वार्षिक सम्मेलन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान पशुपोषण के क्षैत्र में किये गए विशेष कार्यों के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।
- वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, नोहर में 26 अप्रेल 2023 को जिलास्तरीय मिलेट्स संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवनिर्मित किसान घर व कुक्कुट पालन इकाई का लोकार्पण माननीय सांसद श्री राहुल कस्वां, लोकसभा क्षेत्र, चूरू, डॉ. जे.पी. मिश्रा, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–अटारी जोधपुर, वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग द्वारा किया गया।
- वेटरनरी विश्वविद्यालय के पशुविज्ञान केन्द्र, रामसीन (जालौर) के नवनिर्मित भवन का 03 मई 2023 को ऑनलाईन लोकार्पण कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के मंत्री श्री लालचन्द कटारिया द्वारा किया गया।
- वेटरनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर के मध्य 15 मई 2023 को आपसी करार (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर हुए। वेटरनरी विश्वविद्यालय, कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग एवं केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ अरूण कुमार तोमर ने एम.ओ.यू. के दस्तावेज एक दूसरे को हस्तान्तरित किये।
- दिनांक 10.05.2023 को श्रीमान शासन सचिव पशुपालन, गोपालन एवं मतस्य विभाग, राजस्थान, जयपुर श्रीमान कृष्ण कुणाल जी ने, अधिष्ठाता, डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय प्रो. (डॉ.) धर्म सिंह मीना, अतिरिक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, डॉ. प्रकाश भाटी के साथ डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, ई.एन.एफ फार्म एवं फ्रोजेन सीमेन बैंक, बस्सी का दौरा किया।
- राजस्थान पशुचिकित्सा और पशुविज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर का 14वाँ स्थापना दिवस 18 मई 2023 को भव्यता पूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर "स्पोकल–23" के दौरान खेलकूद, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिता की विजेता

टीमों की घोषणा की गयी जिनकों ट्रॉफी एवं प्रशस्ति प्रदान किये गये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी डीन–डारेक्टर, विभागाध्यक्ष शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारी, पूर्व शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। वेटरनरी विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा तैयार "यूनिवर्सिटी ट्वीटर हेड़ल" का विमोचन किया गया।

- वेटरनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं होम्योपैथी विश्वविद्यालय, जयपुर के मध्य 07 जून 2023 को आपसी करार (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर हुए। वेटरनरी विश्वविद्यालय, कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग एवं होम्योपैथी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.एन. माथुर ने एम.ओ.यू. के दस्तावेज एक दूसरे को हस्तान्तरित किये।
- 21 जून 2023 को नौवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस वेटरनरी विश्वविद्यालय के सभी संघटक महाविद्यालयों एवं पशु विज्ञान केन्द्रों में मनाया गया। 'वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग' विषय पर आयोजित योग दिवस पर कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने सम्बोधित करते हुए कहा कि योग एवं प्राणायाम भारत में स्वस्थ जीवन की प्राचीन पद्धति है जिसको ऋषि मुनि नियमित दिनचर्या के रूप में अपनाते थे एवं स्वस्थ एवं संयमित जीवन यापन करते थे।
- राष्ट्रीय पशुचिकित्सा विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रो. आर.के धूड़िया को प्रतिष्ठित फैलोअवार्ड से नवाजा गया है। प्रो. धूड़िया को गुरू अंगद देव पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, लुधियाना (पंजाब) में डेयरी पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने की रणनीतियों विषय पर 1–2 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन एवं राष्ट्रीय पशुचिकित्सा विज्ञान अकादमी के दीक्षान्त समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा 14 अगस्त 2023 को तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर 100 फीट झण्डा फहराने के बाद तिरंगा रैली को रवाना किया। रैली को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. गर्ग ने कहा कि आजादी की अमृत महोत्सव के तहत सरकार द्वारा 13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिससे आमजन में राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं देश भक्ति का भाव जागृत होगा। रैली विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से रवाना होकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय सर्किल से वीर दुर्गादास सर्किल, एम.एन. हॉस्पिटल, तीर्थस्तंभ से होते हुए विश्वविद्यालय के संविधान पार्क पर समाप्त हुई।
- वेटरनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर में राज्य सरकार के मिशन 2030 अभियान के तहत विद्यार्थियों और कर्मचारियों को जागरूक करने हेतु एवं राजस्थान मिशन 2030 के बारे में अपने सुझाव देने हेतु संवेदना कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती के अवसर पर वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर की एन.सी.सी., राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों, शिक्षकों एंव कर्मचारियों ने महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ बनाने हेतु श्रमदान किया।
- 04 अक्टूबर 2023 को पशुपालन व डेयरी विभाग, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के तहत् राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (राजुवास), बीकानेर के संघटक महाविद्यालय स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पी.जी.आई.वी.ई.आर.), जयपुर द्वारा एवं पशुपालन विभाग, धौलपुर के संयुक्त तत्वाधान के अन्तर्गत आकांक्षी जिला धौलपुर के ग्राम भादीयाना तहसील सपैऊ में पशु प्रजनन शिविर एवं जागरूकता कार्यशाला धौलपुर की तहसील बसेड़ी के गांव बागथर में जागरूकता एवम प्रजन्न शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 250 से अधिक पशुपालक लाभान्वित हुये।
- राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं राजस्थान गौ सेवा परिषद्, बीकानेर के बीच हुए एम. ओ.यू. के तहत गौमूत्र से कीटनाशक बनाने एवं इसके विपणन सम्बन्धी सम्भावनाओं के मद्देनजर एक दिवसीय किसान सम्मेलन बुधवार को रविन्द्र रंगमंच में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि नीरज के. पवन, संभागीय आयुक्त बीकानेर, वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग, प्रो. ए.के. गहलोत, राष्ट्रीय समन्वयक, राजस्थान गौ सेवा परिषद् एवं पूर्व कुलपति, राजुवास, विशिष्ट अतिथि स्वामी संवित् विमर्शानन्द गिरी जी अधिष्ठाता शिवमठ, शिवबाडी, बीकानेर, डॉ. लाल सिंह, अतिरिक्त निदेशक गोपालन विभाग, जयपुर के साथ–साथ कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, सी.एस. डब्लू.आर.आई., एन.आर.सी.सी., एस.के.आर.ए.यू., लोटस डेयरी, राजस्थान ग्रामीण बैंक, खाद बीज विपणन आदि संस्थाओं ने भाग लिया एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया।

- वेटरनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं टांटिया, विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर के मध्य 16 अक्टूबर 2023 को आपसी करार (एम. ओ.यू.) पर हस्ताक्षर हुए। वेटरनरी विश्वविद्यालय, कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग एवं टांटिया विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एम.एम. सक्सेना ने एम.ओ.यू. के दस्तावेज एक दूसरे को हस्तान्तरित किये।
- इंडियन सोसाइटी ऑफ वेटरनरी फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सिकोलॉजी की तीन दिवसीय 23वां राष्ट्रीय कॉफ्रेस, 2–4 नवम्बर 2023 को वेटरनरी कॉलेज बीकानेर में आयोजित की गयी। राष्ट्रीय कॉफ्रेस में "एकीकृत पशु स्वास्थ्य केयर प्रणाली अवसर और चुनौतियाँ" विषय पर देश भर से लगभग 175 विषय विशेषज्ञ–वैज्ञानिकों ने शिरकत की। वेटरनरी विश्वविद्यालय में इण्यिन सोसाइटी ऑफ वेटरनरी फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सकोलॉजी की तीन दिवसीय 23वां राष्ट्रीय कॉफ्रेस में देश के प्रख्यात फार्माकोलॉजी वैज्ञानिकों द्वारा लीड़ पेपर, 55 शोध पत्र एवं 48 पोस्टर प्रस्तुत किये गये। उद्घाटन सत्र के दौरान वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर के "प्लेटिनम जुबली ईयर" लोगो (प्रतीक चिन्ह) का अतिथियों ने विमोचन किया। इस अवसर पर आई.एस. वी.पी.टी. कोफ्रेस के शोध सारांश कम्पेडियम एवं आई.एस.वी.पी.टी. के ई–बुलेटिन का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन में आई.एस.वी.पी.टी सोसाइटी द्वारा प्रो. सतीश के गर्ग कुलपति, राजुवास, बीकानेर को प्रो. ए.के. श्रीवास्तव लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर में गुरूकृपा पब्लिक स्कूल, सीकर के 100 स्कूली छात्र–छात्राओं ने 18 नवम्बर 2023 को शैक्षिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने पशु शरीर रचना विभाग में भ्रमण कर विभिन्न जन्तुओं के कंकाल एवं आंतरिक अंगों की संरचना और कार्यविधि समझी। विद्यार्थियों ने कॉलेज की क्लिनिक्स में पशु–पक्षियों के उपचार के छोटे–बड़े ऑपरेशन थिएटर, सी.सी.यू. वार्ड, सी.टी. स्कैन, एक्स रे और रोगोपचार की प्रयोगशाला का अवलोकन किया। विद्यार्थियों को पोल्ट्री फॉर्म के सजीव पशु विविधीकरण मॉडल में विभिन्न किस्मों की मुर्गियों, बतखों, एमू, गिनी फाउल, टर्की, जापानी बटेर, खरगोश आदि पक्षियों की आवास, पोषण और विशेषताओं से अवगत करवाया गया।
- नागपुर के माफसू वेटरनरी विश्वविद्यालय के वेटरनरी महाविद्यालय में इंडियन सोसाइटी फॉर वेटरनरी सर्जरी का 45वां राष्ट्रीय वैज्ञानिक अधिवेशन आयोजित किया गया। सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. प्रवीण बिश्नोई को अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए इस सोसाइटी के फैलो पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- सोसाइटी फॉर वेटरनरी एण्ड एनिमल हसबेण्ड्री एक्सटेंशन द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रो. राहुल सिंह पाल को "एक्सटेंशन स्पेशलिस्ट अवार्ड" से सम्मानित किया गया।
- वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग को कालीकट में टॉक्सिकोलॉजी के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों और पशुपालन में योगदान के लिए लाईफ टाईम एचिवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। कालीकट विश्वविद्यालय, केरल द्वारा टॉक्सिकोलॉजी में नवीनतम प्रगति और भविष्य के रुझान विषय पर 23–25 नवम्बर को आयोजित टॉक्सिकोलॉजी सोसायटी के 42वां वार्षिक सम्मेलन में प्रो. गर्ग को उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सोसायटी द्वारा सम्मानित किया गया। प्रो. गर्ग को पूर्व में भी उत्तरबंगा कृषि विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा पशुचिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान में किए गए उत्कृष्ट कार्यों और पशुपालन में योगदान के लिए लाईफ टाईम एचिवमेंट अवार्ड से नवाजा गया है।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा देश के सहायक आचार्य एवं समकक्ष फैकल्टी के लिए दो विशय पर 21–दिवसीय विंटर स्कूल कार्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय को स्वीकृत किये गये।
- स्नातक पाठ्यक्रम (बी.वी.एस.सी. एंड ए.एच.) में सत्र 2023–24 हेतु विश्वविद्यालय द्वारा कांउसलिंग कर सभी संघटक एवं सम्बद्ध वेटरनरी महाविद्यालयों में सफलता पूर्वक प्रवेश प्रदान किये गये।
- 29 दिसम्बर, 2023 को वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा यूनिवर्सिटी–सोशल रिस्पोंसिबिलिटी के तहत गोद लिए गांव गाढ़वाला में शुक्रवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया शिविर में रक्तदाब, मधुमेह व अन्य सामान्य जांचों के साथ–साथ खांसी–जुकाम, बुखार, जोडों के दर्द सहित विभिन्न मौसमी बीमारियों का उपचार किया गया एवं दवाईयां वितरण की गई।

5. सार संक्षेप

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम 2010 की धारा 1 उपखण्ड (3) के अन्तर्गत स्थापित हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वयं माननीय राज्यपाल है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना दिनांक 13 मई, 2010 को की गई।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों बीकानेर, नवानियाँ (उदयपुर) एवं पी.जी.आई.वी.ई. आर., जयपुर में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। स्नातक पाठ्यक्रम हेतु 300 सीटें, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 18 विषयों हेतु 138 सीटें एवं विद्या–वाचस्पति पाठ्यक्रम 18 विषयों हेतु 68 सीटें उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के अधीन वर्ष 2023–24 में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु 4 राजकीय, 7 संघटक एवं 89 अन्य निजी पशुपालन डिप्लोमा संस्थानो में चल रहे हैं। जिसमें 6300 के प्रशिक्षण की क्षमता हैं। डेयरी एंव खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बीकानेर बस्सी (जयपुर) में स्नातक पाठ्यक्रम चलाया जा रहा हैं। स्नातक पाठ्यक्रम हेतु 120 सीटें उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के स्वीकृत कुल 1452 (शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक) पदों पर वर्तमान में 170 शैक्षणिक स्टॉफ तथा 254 अशैक्षणिक स्टाफ कार्यरत है।

माननीय मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023–24 की बजट घोषणा में सिरोही, बस्सी (जयपुर), लालसोट (दौसा) एवं सीकर में एक–एक नये पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय खोले जाने की घोषणा की है। इन महाविद्यालयों के लिए राज्य सरकार द्वारा शैक्षणिक व अशैक्षणिक पदों के लिए 41–41 पदों की स्वीकृति जारी की जा चुकी है। राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत इन नवीन पशु महाविद्यालयों के लिए जमीन आवंटन व भवन निर्माण की कार्यवाही की जा रही है। इसी तरह राज्य सरकार द्वारा इसी वर्ष जोजावर (पाली) में नवीन पशु विज्ञान केन्द्र के क्रियान्वित हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों हेतु विभिन्न विषयों पर साक्षात्कार कर 12 सहायक आचार्यों को चयनित कर नियुक्तियां प्रदान की गई तथा वेटरनरी विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों हेतु विभिन्न पदों पर साक्षात्कार कर कुल 48 सहायक आचार्य एवं समकक्ष पदों पर चयनित कर नियुक्तियां प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय का षष्ठम् दीक्षांत समारोह 21 मार्च 2023 को आयोजन किया गया। माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने समारोह में ऑनलाइन शिरकत की एवं विश्वविद्यालय के 461 छात्र–छात्राओं को उपाधियों और 18 को स्वर्ण पदक तथा 01 को कुलाधिपति स्वर्ण, 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक से अलंकृत किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक योग्यता प्राप्त कर लेने वाले 331 छात्र–छात्राओं को उपाधियां, स्नातकोत्तर स्तर के 96 को उपाधियां तथा 34 को विद्यावाचस्पति उपाधियां प्रदान की गई। 18 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदकों से और स्नातकोत्तर शिक्षा में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर केशव गौड़ को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया। शैक्षणिक सत्र 2021–22 में विश्वविद्यालय के विभिन्न संघटक तथा सम्बद्ध शिक्षण संस्थानों द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 13974 छात्र पंजीकृत थे, जिसमें से 3081 बी.वी.एस.सी एण्ड ए.एच, 120 एम.वी.एस.सी, 57 पी.एच.डी. डिग्री पाठ्यक्रमों में तथा 10716 डिप्लोमा पाठ्यक्रम में पंजीकृत थे। दीक्षांत अतिथि डॉ. एम.एल मदन को डॉक्टर ऑफ साईंस की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

विश्वविद्यालय में नौ पशुधन अनुसंधान केंद्र राज्य के बीकानेर, बीछवाल (बीकानेर), कोडमदेसर (बीकानेर), चांदन (जैसलमेर), नोहर (हनुमानगढ), नवानियां, (उदयपुर), बोजुंदा (चित्तौड़गढ़), डग (झालावाड़) एवं सरमथुरा (धौलपुर) में स्थापित हैं। इनमें स्वदेशी गौवंश की छः नस्लों राठी, साहीवाल, कांकरेज, थारपारकर, मालवी, गिर, एवं भेड़, बकरी और भैंसों की नस्लों के उन्नयन हेतु शोध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गैर पारंपरिक क्षेत्रों में अनुसंधान हेतु राज्य पोषित दस उन्नत अनुसंधान केंद्र भी स्थापित हैं। राष्ट्रीय कृषि विकास की तीन परियोजनाऐं एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित पांच परियोजनाए चल रही है। विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष उच्च गुणवत्ता वाले 179 देशी गौवंश एवं सिरोही बकरियों में अनुवांशिक सुधार हेतु उच्च गुणवत्ता वाले 95 सिरोही बकरे पशुपालकों को वितरित किए गए।

विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों तक नवीनतम शोध की जानकारी पहुंचाने हेतु राज्य के 17 जिलों में पशु विज्ञान केन्द स्थापित हैं। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर के नवनिर्मित किसान भवन एवं कुक्कुट पालन इकाई का लोकार्पण माननीय सांसद राहुल कस्वां एवं माननीय विधायक नोहर श्री अमित चाचाण द्वारा किया गया। माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री लालचन्द जी कटारिया द्वारा 3 मई 2023 को वेटरनरी विश्वविद्यालय के पशु विज्ञान केन्द्र, रामसीन (जालौर) के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण (ऑनलाइन) किया गया।

विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) कृषि विभाग, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में कुल 48 प्रशिक्षणों का आयोजन कर 1578 पशुपालकों को लाभांवित किया गया तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न जिलों में स्थित पशु विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नोहर द्वारा इस वर्ष 861 ऑफलाइन/ऑनलाइन, संस्थागत व असंस्थागत प्रशिक्षणों का आयोजन कर 22621 पशुपालकों एवं किसानों को लाभांवित किया गया। विश्वविद्यालय के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं विश्वविद्यालय स्तरीय प्रदर्शनी एवं मेलों में अपनी सह–भागिता दी। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव (13–15 जनवरी, 2023), कृषि महोत्सव, कोटा (24–25 जनवरी, 2023), राजस्थान किसान महोत्सव कार्यक्रम, बाड़मेर के श्री मल्लिनाथ कृषि एवं पशुपालन मेला (21–22 मार्च 2023) शामिल है।

विश्वविद्यालय के द्वारा राज्य के पशुपालकों और किसानों को समर्पित "राजुवास ई–पशुपालक चौपाल" प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ बुधवार, ''धीणें री बात्यां'' रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण राज्य के सभी 17 आकाशवाणी केन्द्रों से प्रत्येक माह के तृतीय गुरूवार, पशु विज्ञान केन्द्रों द्वारा पशुपालकों के लिए व्हाट्सएप समूह एवं वेटरनरी विश्वविद्यालय की टोल–फ्री हैल्पलाइन जैसी सेवाएं चलाई जा रही है।

विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2023–24 में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय युवा दिवस, सड़क दुर्घटना के दौरान प्राथमिक उपचार और सड़क सुरक्षा विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम, देहदान तथा अंगदान हेतु जागरूकता कार्यक्रम, "वेटरनरी स्नातकों में उद्यमशीलता विकास हेतु सॉफ्ट स्किल की आवश्यकता" पर एक दिवसीय कार्यशाला, भारतीय संविधान के जनक, भारत रत्न, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 132वीं जयंती, जिलास्तरीय मिलेट्स संगोष्ठी का आयोजन, राजस्थान पशुचिकित्सा और पशुविज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर का 14वाँ स्थापना दिवस का भव्यता पूर्वक आयोजन, "स्पोकल–23" का आयोजन, नौवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष पर तिरंगा रैली का आयोजन, राजस्थान मिशन 2030 हेतु संवेदना कार्यक्रम, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती, पशु प्रजनन शिविर एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालयों के सभी शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

इस वर्ष वेटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा तीन आपसी करार (एम.ओ.यू.) किये गये, जिसमें विश्वविद्यालय ने केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान (अविकानगर), होम्योपैथी विश्वविद्यालय (जयपुर) और टांटिया विश्वविद्यालय (श्रीगंगानगर) से दस्तावेज एक दूसरे को हस्तान्तरित किये।

वर्ष 2023–24 में स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पी.जी.आई.वी.ई.आर.), जयपुर में माननीय कुलपति प्रो. सतीश कुमार गर्ग द्वारा संस्थान परिसर में कन्या छात्रावास के नवनिर्मित दूसरी एवं तीसरी मंजिलों का लोकार्पण किया गया। वेटरनरी विश्वविद्यालय के पशु विज्ञान केन्द्र, रामसीन (जालौर) के नवनिर्मित भवन का को ऑनलाईन लोकार्पण कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के मंत्री श्री लालचन्द कटारिया द्वारा किया गया। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, नोहर में नवनिर्मित किसान घर व कुक्कुट पालन इकाई का लोकार्पण माननीय सांसद श्री राहुल कस्वां, लोकसभा क्षेत्र, चूरू, डॉ. जे.पी. मिश्रा, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–अटारी जोधपुर, द्वारा किया गया।

इण्डियन सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ केनाइन प्रैक्टिस द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रो. आर.के. धूड़िया को ड्रूल्स–पेट–न्यूट्रीशन अवार्ड से नवाजा गया। प्रो. धूड़िया को दाऊ श्री वासुदेव चन्द्रकार कामधेनू विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़ में इण्डियन सोसाइटी फॉर एड़वासमेट ऑफ केनाइन प्रेक्टिस के "श्वानों के नेदानिक, चिकित्सकीय और पोषण प्रबन्धन में नवीन

प्रगति" विषय पर 20–22 अप्रेल, 2023 को आयोजित 19वें वार्षिक सम्मेलन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान पशुपोषण के क्षेत्र में किये गए विशेष कार्यों के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। राष्ट्रीय पशुचिकित्सा विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रो. आर.के धूड़िया को प्रतिष्ठित फैलोअवार्ड से नवाजा गया है। प्रो. धूड़िया को गुरू अंगद देव पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, लुधियाना (पंजाब) में डेयरी पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने की रणनीतियों विषय पर 1–2 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन एवं राष्ट्रीय पशुचिकित्सा विज्ञान अकादमी के दीक्षान्त समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया। नागपुर के माफसू वेटरनरी विश्वविद्यालय के वेटरनरी महाविद्यालय में इंडियन सोसाइटी फॉर वेटरनरी सर्जरी का 45वां राष्ट्रीय वैज्ञानिक अधिवेशन आयोजित किया गया। सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. प्रवीण बिश्नोई को अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए इस सोसाइटी के फैलो पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सोसाइटी फॉर वेटरनरी एण्ड एनिमल हसबेण्ड्री एक्सटेंशन द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रो. राहुल सिंह पाल को "एक्सटेंशन स्पेशलिस्ट अवार्ड" से सम्मानित किया गया।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग को कालीकट में टॉक्सिकोलॉजी के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों और पशुपालन में योगदान के लिए लाईफ टाईम एचिवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। कालीकट विश्वविद्यालय, केरल द्वारा टॉक्सिकोलॉजी में नवीनतम प्रगति और भविष्य के रुझान विषय आयोजित टॉक्सिकोलॉजी सोसायटी के 42वां वार्षिक सम्मेलन में प्रो. गर्ग को उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सोसायटी द्वारा सम्मानित किया गया। प्रो. गर्ग को पूर्व में भी उत्तरबंगा कृषि विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा पशुचिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान में किए गए उत्कृष्ट कार्यों और पशुपालन में योगदान के लिए लाईफ टाईम एचिवमेंट अवार्ड से नवाजा गया है।

इंडियन सोसाइटी ऑफ वेटरनरी फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सिकोलॉजी की तीन दिवसीय 23वां राष्ट्रीय कॉफ्रेस, 2–4 नवम्बर 2023 को वेटरनरी कॉलेज बीकानेर में आयोजित की गयी। राष्ट्रीय कॉफ्रेस में "एकीकृत पशु स्वास्थ्य केयर प्रणाली अवसर और चुनौतियाँ" विषय पर देश भर से लगभग 175 विषय विशेषज्ञ–वैज्ञानिकों ने शिरकत की। वेटरनरी विश्वविद्यालय में इण्यिन सोसाइटी ऑफ वेटरनरी फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सकोलॉजी की तीन दिवसीय 23वां राष्ट्रीय कॉफ्रेस में देश के प्रख्यात फार्माकोलॉजी वैज्ञानिकों द्वारा लीड़ पेपर, 55 शोध पत्र एवं 48 पोस्टर प्रस्तुत किये गये। उद्घाटन सत्र के दौरान वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर के "प्लेटिनम जुबली ईयर" लोगो (प्रतीक चिन्ह) का अतिथियों ने विमोचन किया। इस अवसर पर आई.एस.वी. पी.टी. कोफ्रेस के शोध सारांश कम्पेडियम एवं आई.एस.वी.पी.टी. के ई–बुलेटिन का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन में आई.एस. वी.पी.टी सोसाइटी द्वारा प्रो. सतीश के गर्ग कुलपति, राजुवास, बीकानेर को प्रो. ए.के. श्रीवास्तव लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्रीमान शासन सचिव पशुपालन, गोपालन एवं मतस्य विभाग, राजस्थान, जयपुर श्रीमान कृष्ण कुणाल जी एवं अतिरिक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, डॉ. प्रकाश भाटी ने डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बस्सी का दौरा किया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा देश के सहायक आचार्य एवं समकक्ष फैकल्टी के लिए दो विषय पर 21–दिवसीय विंटर स्कूल, विश्वविद्यालय को स्वीकृत किये।

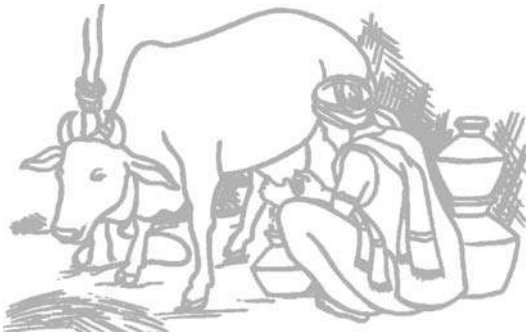

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय
बीकानेर

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय
नवानियां, वल्लभनगर (उदयपुर)

स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
जयपुर

प्रकाशक

प्राथमिकता, नियंत्रण एवं मूल्यांकन निदेशालय

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बीकानेर-334 001 (राजस्थान)

टेलीफोन: 0151-2543419 ईमेल: dpmerajuvas@gmail.com

मुद्रक : डायमंड प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनरी, बीकानेर # 9784105819